सत्यमेव जयते

लोक भवन पत्रिका

अगस्त, 2025 -जनवरी, 2026

लोक भवन, झारखण्ड

लोक भवन : जनसेवा और विकास का प्रतिमान

झारखण्ड असंख्य बलिदानियों, संघर्षों और कर्मठ नागरिकों की तपोभूमि रहा है। इस राज्य के राज्यपाल के रूप में मेरा सतत् प्रयास रहा है कि शासन की नीतियां और कल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचें। इसी उद्देश्य से मैं स्वयं राज्य के सभी जिलों के सुदूरवर्ती ग्रामों तक जाकर स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित करता हूं तथा उन्हें केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करने का निरंतर प्रयास करता हूं।

लोक भवन, झारखण्ड, जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है कि आम जनमानस से जुड़ने का एक सशक्त जरिया है। यह केवल एक संवैधानिक अथवा प्रशासनिक परिसर ही नहीं, बल्कि जनता की आशाओं, विश्वासों और अपेक्षाओं का जीवंत केंद्र है। यहां आने वाला प्रत्येक नागरिक अपनी समस्या, पीड़ा और अपनी आशा लेकर आता है। यहां न केवल आम नागरिक की बातों को ध्यानपूर्वक सुना जाता है, बल्कि समाधान की दिशा में ईमानदार प्रयास भी किए जाते हैं। लोक भवन, झारखण्ड के द्वार सदैव आम नागरिकों के लिए खुले हैं। मैं स्वयं को दीवारों में सीमित रखने वाला नहीं, बल्कि जनता के बीच रहकर उनके सुख–दुःख को समझने और समाधान हेतु निरंतर प्रयासरत रहने वाला व्यक्ति समझता हूं तथा राज्य के विकास से जुड़े प्रत्येक विषय पर मैं सदैव उपलब्ध हूं।

आम जनमानस को लोक भवन से और अधिक आत्मीय रूप से जोड़ने के उद्देश्य से लोक भवन, रांची के उद्यानों को 2 फरवरी से नागरिकों के भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु खोला जा रहा है। मेरा प्रयास रहेगा कि मैं स्वयं अधिकाधिक आगंतुकों से भेंट कर सकूं तथा लोक भवन, झारखण्ड एवं उद्यान के प्रति उनके सुझावों, अनुभवों एवं अपेक्षाओं को प्रत्यक्ष रूप से सुन सकूं।

युगपुरुष, महान दार्शनिक और युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर लोक भवन, रांची में झारखण्ड रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य राज्य में सभी रक्त समूहों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना था। इस पुनीत कार्य में 406 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवीय संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। यह पहल निरंतर जारी रहेगी, ताकि राज्य के किसी भी नागरिक को रक्त की कमी के कारण कठिनाई का सामना न करना पड़े।

राज्य में मनमोहक जलप्रपातों, पर्वतों और घने जंगलों जैसे प्राकृतिक सौंदर्य के साथ–साथ अनेक प्रसिद्ध धार्मिक एवं आस्था के केंद्र भी

विद्यमान हैं। पर्यटन की दृष्टि से झारखण्ड में अपार संभावनाएं निहित हैं। बाबा बैद्यनाथ धाम, बासुकीनाथ, मां छिन्नमस्तिका मंदिर, ईटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर, पारसनाथ पर्वत, श्री जगन्नाथ मंदिर तथा 'मंदिरों का गांव' मलूटी जैसी पावन धरोहरें राज्य को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। इन स्थलों का समुचित एवं योजनाबद्ध विकास न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर सकता है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन भी करेगा। झारखण्ड को एक सशक्त 'टूरिज्म हब' के रूप में विकसित करने की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

पर्यटन के साथ–साथ राज्य में औद्योगिक विकास की भी व्यापक संभावनाएं विद्यमान हैं। खनिज संपदा, ऊर्जा संसाधन तथा कुशल श्रम शक्ति की उपलब्धता झारखण्ड को निवेश के लिए अनुकूल राज्य बनाती है। उद्योगों के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और राज्य की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी। मेरा संकल्प है कि झारखण्ड विकास के प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी स्थान प्राप्त करे।

संयोगवश, लोक भवन द्वारा प्रकाशित इस पत्रिका के द्वितीय अंक–जो मेरे कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रकाशित हुआ था–की प्रथम प्रति लोक भवन, रांची में माननीय राष्ट्रपति महोदया को प्रदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस क्रम में माननीय राष्ट्रपति महोदया का एम्स, देवघर (31 जुलाई, 2025) तथा आईआईटी (आईएसएम), धनबाद (1 अगस्त, 2025) के दीक्षांत समारोहों में आगमन हुआ, जिससे उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर को और भी स्मरणीय बना दिया। हम सभी ने हाल ही में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। भारत की लोकतांत्रिक यात्रा पर दृष्टि डालें तो विज्ञान, अंतरिक्ष, कृषि, खेल और अर्थव्यवस्था सहित अनेक क्षेत्रों में देश ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर चुका है और निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इसी राष्ट्रीय संकल्प के साथ हमारा प्रयास है कि झारखण्ड भी विकास की नई ऊंचाइयों को छुए और विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बने।

कुछ माह, पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन से राज्य ने एक महान व्यक्तित्व को खो दिया। जनजातीय समाज, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उन्हें 'पद्म भूषण' सम्मान से अलंकृत किया जाना उनके सार्वजनिक जीवन को समर्पित एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं ने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने तथा समावेशी विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। झारखण्ड भी इस राष्ट्रीय संकल्प का अभिन्न अंग बनकर प्रगति की नई ऊंचाइयों की ओर निरंतर अग्रसर है। हम सबका सपना एक विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध झारखण्ड का है।

यह इस पत्रिका का तृतीय अंक है, जिसमें अगस्त, 2025 से जनवरी, 2026 के मध्य लोक भवन, झारखण्ड की प्रमुख गतिविधियों को सारगर्भित रूप में प्रस्तुत किया गया है। मुझे विश्वास है कि यह प्रस्तुति न केवल पाठकों को लोक भवन, झारखण्ड की कार्यशैली, प्रतिबद्धता और संवेदनशील दृष्टिकोण से परिचित कराएगी, बल्कि झारखण्ड के सर्वांगीण विकास, जनकल्याण और लोक सेवा के प्रति निरंतर किए जा रहे प्रयासों को भी प्रभावी रूप से प्रतिबिंबित करेगी।

(संतोष कुमार गंगवार)
राज्यपाल, झारखण्ड

प्रधान सम्पादक की कलम से...

लोक भवन, झारखण्ड की पत्रिका का तृतीय अंक (अगस्त, 2025 से जनवरी, 2026) आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह अंक न केवल लोक भवन, झारखण्ड की विविध गतिविधियों, पहलों और महत्वपूर्ण आयोजनों का संकलन है, बल्कि माननीय राज्यपाल महोदय के जन–कल्याण हेतु प्रयत्न और उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु किए गए सतत प्रयासों का सजीव दस्तावेज़ भी प्रस्तुत करता है।

राज्यपाल महोदय ने अपने सहज, विनम्र और संवेदनशील व्यक्तित्व से लोक भवन, झारखण्ड को जनता के लिए एक सशक्त संवाद केंद्र बनाया है। अब यह परिसर केवल प्रशासनिक भवन न रहकर आम नागरिकों की आशाओं और समस्याओं के समाधान का जीवंत मंच बन चुका है। राज्य के विभिन्न जिलों से आए नागरिक अपनी समस्याओं और सुझावों के साथ पूरी आशा और विश्वास के साथ लोक भवन पहुंचते हैं। उनकी बातों को गंभीरता से सुना जाता है और समाधान की दिशा में न्यायसंगत प्रयास किए जाते हैं। इस अवधि के दौरान राज्यपाल महोदय ने नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने हेतु दुर्गम क्षेत्रों का भ्रमण भी किया।

राज्यपाल महोदय की 'पीपुल्स गवर्नर' की अवधारणा लोक भवन की गतिविधियों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। उनके निदेश पर लोक भवन परिसर में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, झारखण्ड के माध्यम से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवीय संवेदना और सामाजिक दायित्व का परिचय दिया। लोक भवन, रांची में राज्यपाल महोदय के निर्देशन में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जाता है।

राज्यपाल महोदय द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने हेतु सभी सरकारी विश्वविद्यालयों को समय पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने का कठोर निदेश दिया गया। इसके परिणामस्वरूप इस वर्ष राज्य के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों ने अपने दीक्षांत समारोह निर्धारित समय पर आयोजित किए, जो विद्यार्थियों के लिए उत्साहवर्धक रहा।

इस अंक में आप झारखण्ड में आयोजित विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों की झलक देखेंगे। साथ ही यह पत्रिका पाठकों को यह समझने में सहायक होगी कि राज्यपाल महोदय का प्रयास केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिकों के सुख–दुःख, उनकी आशाओं और राज्य के समग्र विकास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

मुझे विश्वास है कि यह अंक पाठकों के लिए ज्ञानवर्धक होने के साथ–साथ लोक भवन, झारखण्ड की कार्यशैली और राज्यपाल महोदय की जन–संवेदनशीलता तथा 'पीपुल्स गवर्नर' के रूप में उनके योगदान से परिचित कराएगा।

(डॉ० नितिन मदन कुलकर्णी)
राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव
लोक भवन, झारखण्ड एवं
प्रधान सम्पादक, लोक भवन पत्रिका

भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के लोक भवन, रांची आगमन पर माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उनका हार्दिक स्वागत किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि आपके आगमन से संपूर्ण लोक भवन परिवार हर्ष एवं उत्साह से अभिभूत है। इसके पश्चात राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया से सौजन्य भेंट के क्रम में विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने उक्त अवसर पर माननीया राष्ट्रपति महोदया को लोक भवन, झारखण्ड द्वारा प्रकाशित 'लोक भवन पत्रिका' (फरवरी, 2025–जुलाई,2025) की प्रथम प्रति भेंट की। इस पत्रिका के प्रधान संपादक राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी हैं। पत्रिका का यह अंक लोक भवन की गतिविधियों, पहलों एवं प्रयासों का संकलन है। लोक भवन पत्रिका राज्यपाल महोदय की जनता के प्रति संवेदनशीलता, उच्च शिक्षा में सुधार हेतु प्रतिबद्धता और जन–कल्याण की दिशा में निरंतर प्रयासों की झलक प्रस्तुत करती है। उन्होंने लोक भवन को 'आमजन के हितों के रक्षक' के रूप में प्रतिष्ठित किया है तथा लोक भवन जन संवाद, समाधान और सेवा का केंद्र बनाने की दिशा में सक्रिय रहते हैं। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर माननीया राष्ट्रपति महोदया को एक स्मृति–चिह्न भी भेंट किया।

आईआईटी (आईएसएम), धनबाद का 45वां दीक्षांत समारोह

यह संस्थान खनन, ऊर्जा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्र को दिशा देता आया है – राज्यपाल

माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ), धनबाद के 45वें दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति महोदया की उपस्थिति से यह दीक्षांत समारोह अत्यंत प्रेरणादायक और ऐतिहासिक बन गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदया का झारखंड से विशेष आत्मीय संबंध रहा है। अपने राज्यपाल कार्यकाल में उन्होंने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और जनकल्याण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनकी सादगी, संवेदनशीलता और जनभावनाओं के प्रति समर्पण ने झारखंडवासियों के हृदय में विशेष स्थान बनाया है।

राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर उन्होंने जिस प्रकार विषम परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की और अपने गांव की पहली कॉलेज जाने वाली बेटी बनीं, वह सम्पूर्ण देश के लिए प्रेरणा का विषय है। राज्यपाल महोदय ने आईआईटी (आईएसएम), धनबाद की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान खनन, ऊर्जा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्र को दिशा देता आया है। 1926 में स्थापित यह संस्थान आज वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना चुका है। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई दी तथा उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र के कल्याण में करें।

रेड क्रॉस सोसाइटी की राज्य प्रबंधन समिति की बैठक

सामाजिक आंदोलन बने स्वैच्छिक रक्तदान : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में लोक भवन में Indian Red Cross Society की State Managing Committee की बैठक हुई। बैठक में राज्यपाल महोदय ने रेड क्रॉस की भूमिका को और अधिक प्रभावी तथा जन–कल्याणकारी बनाने हेतु कई अहम निदेश दिए। उन्होंने विशेष रूप से स्वैच्छिक रक्तदान को एक सामाजिक जनांदोलन का रूप देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाए और इनमें विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट–गाइड जैसी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, सभी को इसके लिए प्रेरित करें।

राज्यपाल महोदय ने रेड क्रॉस की जिला इकाइयों को अधिक सक्रिय और प्रभावशाली बनाने, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक सेवा का विस्तार करने तथा संस्था के सभी कार्यों में वित्तीय पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संकट से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि रेड क्रॉस के स्वयंसेवक हर परिस्थिति में सक्षम और तत्पर रहें। उन्होंने संस्था को जीवंत बनाए रखने हेतु सतत सदस्यता अभियान चलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि संस्था अच्छे कार्य करेगी, तो कई संस्थाएं अनुदान व सहयोग के लिए स्वयं आगे आएंगी। बैठक में सभी जिला इकाइयों को वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने के निदेश भी दिए गए। इस अवसर पर यह भी कहा गया कि रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला इकाइयाँ लावारिस शवों का अंतिम संस्कार भी कर सकती हैं, जो एक संवेदनशील सामाजिक दायित्व है।

राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस

हस्तकरघा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने विवर्स डेवलेपमेंट एण्ड रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (WDRO) एवं बुनकर प्रकोष्ठ द्वारा 12वें राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस के अवसर पर डोरंडा महाविद्यालय, रांची में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हस्तकरघा केवल एक कला नहीं, यह हमारी सभ्यता, संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। हर धागा, हर बुनाई हमारी लोक–कथाओं और रीति–रिवाजों की अनूठी कहानी कहती है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाया जा रहा है, बल्कि उन लाखों बुनकर परिवारों को सम्मान भी दिया जा रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत की नींव को सुदृढ़ कर रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'हैंडलूम फॉर होम' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों से देश में स्वदेशी वस्त्रों के प्रति सम्मान का भाव और बढ़ा है। राज्यपाल महोदय ने झारखण्ड की विशिष्ट हस्तकरघा परंपराओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तसर रेशम और कत्था कढ़ाई जैसे शिल्प राज्य की पहचान हैं और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में भी इनकी विशिष्ट छवि बनी है। उन्होंने हाल ही में इस क्षेत्र पर आधारित दो फिल्मों "संगठन से सफलता" तथा "फैशन के लिए खादी" का उल्लेख करते हुए कहा कि ये फिल्में हथकरघा के सामाजिक और आर्थिक महत्व को जनमानस के समक्ष लाने में सहायक रही हैं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया । उन्होंने झारखण्ड विधानसभा परिसर में दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उनका योगदान राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अविस्मरणीय रहेगा।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़ जिला) पहुंचे। उन्होंने वहां पहुंचकर दिवंगत शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक–संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं परिवार के अन्य सदस्यों को ढाढस बंधाया। उन्होंने ग्रामवासियों से भी मुलाक़ात कर दु:ख की इस घड़ी में अपनी सहभागिता व्यक्त की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि दिशोम गुरु का निधन सामाजिक एवं राजनीतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की।

धरित्री कला केंद्र का सांस्कृतिक कार्यक्रम

नृत्य और संगीत के बिना संस्कृति अधूरी है : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 'धरित्री कला केंद्र' द्वारा जैप–1 सभागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'अनुभूति' को संबोधित करते हुए कहा कि अनुभूति केवल कला की प्रस्तुति नहीं, बल्कि यह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की निरंतरता का एक जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और युवा पीढ़ी में अनुशासन, संवेदनशीलता तथा राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत करते हैं।

माननीय राज्यपाल ने यह भी बताया कि केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ जी एवं उनकी पुत्रवधू गार्गी जी ने पूर्व में लोक भवन में भेंट कर इस कार्यक्रम हेतु उन्हें सादर आमंत्रित किया था। उन्होंने कार्यक्रम की तिथि में परिवर्तन कर दिवंगत दिशोम गुरु जी के प्रति सम्मान प्रकट करने के निर्णय को एक भावपूर्ण और सराहनीय पहल बताया। अपने उद्‌बोधन में राज्यपाल महोदय ने गार्गी जी द्वारा अपने गुरुजनों पद्म विभूषण पं. बिरजू महाराज, पं. मुन्ना शुक्ला तथा मंजू मलकानी के प्रति अर्पित श्रद्धांजलि को गुरु–शिष्य परंपरा की उत्कृष्ट अभिव्यक्ति बताया और कहा कि यह भारतीय सांस्कृतिक धरोहर की आत्मा है। उन्होंने धरित्री कला केंद्र की पूरी टीम को शास्त्रीय नृत्य 'कत्थक' के माध्यम से भाव, भक्ति और भारतीयता को सजीव रूप में प्रस्तुत करने हेतु बधाई दी।

माननीय राज्यपाल महोदय ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगावार ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मोरहाबादी मैदान, राँची में ध्वजारोहण के पश्चात् राज्यवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारा देश विभिन्न क्षेत्रों मे लगातार नई ऊँचाइयाँ छू रहा है और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि 21वीं सदी का नया भारत संभावनाओं और सामर्थ्य से परिपूर्ण है, जो सतत् विकास के मार्ग पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। देश की इसी विकास यात्रा के साथ हमारा झारखण्ड भी अग्रसर है। इस प्रगति के सफर में यहाँ के युवाओं, किसानों, मातृशक्ति और उद्यमियों की बड़ी भूमिका रही है।

79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में ध्वजारोहण करते हुए।

79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में परेड का निरीक्षण करते हुए।

79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में ध्वजारोहण के उपरांत सराहनीय सेवा हेतु वीरता पदक एवं सेवा पदक प्रदान करते हुए।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड विधानसभा परिसर में माननीय मंत्री, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता तथा निबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार रामदास सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर कहा कि रामदास सोरेन जी का असामयिक निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। राज्यपाल महोदय ने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार घोड़ाबांधा, पूर्वी सिंहभूम पहुंचे तथा वहां उन्होंने राज्य के पूर्व मंत्री दिवंगत रामदास सोरेन के संस्कार भोज में सम्मिलित होकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल महोदय ने रामदास सोरेन जी के असामयिक निधन पर गहरा दुःख व शोक व्यक्त करते हुए प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति बताया। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने दिवगंत रामदास सोरेन के परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी।

नमो दही–हांडी प्रतियोगिता एवं भजन कार्यक्रम

भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म, न्याय और प्रेम का संदेश दिया : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार महात्मा गांधी मार्ग, रांची में आयोजित 'नमो दही–हांडी प्रतियोगिता' एवं 'भजन कार्यक्रम' में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन के प्रत्येक चरण में मानवता को धर्म, प्रेम और न्याय का अमूल्य संदेश दिया। उनका बाल्य काल अन्याय, अधर्म और असत्य के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देता है। महाभारत में अर्जुन को दिए गए उनके उपदेश, जो भगवद्गीता के रूप में विश्वप्रसिद्ध है, संपूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं। गीता यह शिक्षा देती है कि कर्म ही धर्म है और सत्य के मार्ग पर चलने वाला कभी पराजित नहीं होता।

राज्यपाल महोदय ने युवाओं का विशेष आह्वान करते हुए कहा कि युवा हमारे समाज और राष्ट्र की असली ताकत हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जिस प्रकार 'दही–हांडी प्रतियोगिता' में ऊंचाई तक पहुंचने के लिए आपसी सहयोग, धैर्य और परिश्रम आवश्यक है, उसी प्रकार जीवन में भी सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, एकता और दृढ़ संकल्प अनिवार्य है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि चुनौतियां जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन दृढ़ इच्छा शक्ति और सकारात्मक सोच से कोई भी बाधा अजेय नहीं रहती। उन्होंने युवाओं से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर कठोर परिश्रम के साथ उन्हें प्राप्त करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन के दरबार हॉल में न्यायमूर्ति श्री नवनीत कुमार, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय, रांची को झारखण्ड राज्य विद्युत नियामक आयोग, रांची के अध्यक्ष के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर राज्य की मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी ने न्यायमूर्ति श्री नवनीत कुमार की झारखण्ड राज्य विद्युत नियामक आयोग, रांची के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति संबंधी अधिसूचना का वाचन किया। तत्पश्चात राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने उन्हें शपथ ग्रहण हेतु आमंत्रित किया। राज्यपाल महोदय ने नवनियुक्त अध्यक्ष को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची परिसर पहुंचकर जम्मू–कश्मीर के लद्दाख (सियाचिन) में शहीद हुए देवघर जिला के मधुपुर स्थित कजरा गांव निवासी भारत माता के वीर सपूत 19 महार रेजीमेंट के अग्निवीर नीरज कुमार चौधरी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की ।

मेगा प्रदर्शनी स्वर्णिम भारत एक्सपो–2025

वोकल फॉर लोकल को आगे बढ़ाने का माध्यम : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित मेगा प्रदर्शनी स्वर्णिम भारत एक्सपो–2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार, कौशल विकास और आधुनिकता का जीवंत संगम है, जो युवाओं, शोधकर्ताओं, उद्यमियों और नीति–निर्माताओं को एक सूत्र में जोड़ने का सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो में कौशल विकास, कृषि, विज्ञान–प्रौद्योगिकी, हस्तशिल्प, पर्यटन, ऊर्जा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, जो नए भारत की प्रगति की दिशा तय कर रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने विशेष रूप से इस तथ्य की सराहना की कि प्रदर्शनी में डी.आर.डी.ओ., इसरो, सी.एस.आई.आर. और आई.सी.एम.आर. जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों सहित विभिन्न विभाग एवं संगठन अपनी उपलब्धियां और नवाचार प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भारत की वैज्ञानिक एवं शोध क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन है। उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि चंद्रयान–3 तथा सूर्य मिशन आदित्य एल–1 ने पूरे राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के योगदान की भी सराहना की और उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणा–पुंज बताया। माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह एक्सपो वोकल फॉर लोकल की भावना को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची का वार्षिकोत्सव

अपने अंदर की ऊर्जा को विद्यार्थी पहचानें : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची के वार्षिकोत्सव में कहा कि यह अवसर केवल विद्यालय की उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और रचनात्मकता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि डीपीएस रांची ने अनुशासन, ज्ञान और उत्कृष्टता की गौरवशाली परंपरा स्थापित की है और इसकी गिनती रांची के प्रतिष्ठित विद्यालयों में की जाती है। उन्होंने विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ–साथ कला, संस्कृति और पर्यावरण जैसे विषयों में भी विद्यार्थियों को जागरूक व सक्षम बना रहा है। साथ ही, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ओलंपियाड प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन की सफलता केवल अंकों से नहीं आंकी जा सकती। असली परीक्षा यह है कि कठिनाइयों के समय धैर्य, ईमानदारी और आत्मविश्वास बनाए रखें। माननीय राज्यपाल ने कहा कि हर विद्यार्थी के भीतर असीम ऊर्जा और क्षमता छिपी होती है। आवश्यकता है उसे पहचानने और सही दिशा देने की। इसमें शिक्षकों और अभिभावकों दोनों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों पर केवल अंकों और परिणाम का दबाव न डालें, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और सकारात्मक वातावरण दें। शिक्षा तभी सार्थक है जब बच्चा अनुशासित और चरित्रवान बने। राज्यपाल महोदय ने विद्यालय प्रबंधन से भी आह्वान किया कि वे गरीब एवं मेधावी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने में सहयोग करें।

'NMO Conference – Jharkhand NMOCON 2025'

बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने ट्रामा सेंटर, रिम्स, रांची में आयोजित 'NMO Conference – Jharkhand NMOCON 2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि झारखण्ड अपनी प्राकृतिक संपदा, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और अपार संभावनाओं के लिए जाना जाता है, लेकिन इन संभावनाओं को साकार करने में चिकित्सा समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का विषय समान स्वास्थ्य सेवा के लिए नवाचार और सहयोग हमारे समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को प्रतिबिंबित करता है। झारखण्ड में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कतिपय चुनौतियां भी हैं। एक बड़ी आबादी सुदूरवर्ती ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती है, वहां तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर प्रयास करना होगा कि झारखण्ड में उच्चस्तरीय अस्पताल और संस्थान स्थापित हों, ताकि यहां की जनता को राज्य से बाहर न जाना पड़े।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सीएमसी वेल्लोर जैसे अस्पताल ने बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से न केवल चिकित्सा सेवा में विशिष्ट स्थान अर्जित किया है, बल्कि वहां की अर्थव्यवस्था को भी गति प्रदान की है। हमारे राज्य से भी कई लोग वहां इलाज के लिए जाते हैं। झारखण्ड में भी इस प्रकार की संस्थाएं स्थापित हो सकती हैं, जो सेवा के साथ–साथ राज्य की समग्र प्रगति का आधार बनें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कार्यालयों/प्रतिष्ठानों में कार्य करने वाले हर व्यक्ति तक हेल्थ कार्ड पहुंचाए जाने चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति बेहतर इलाज से वंचित न रहे।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत के तहत सांस्कृतिक संध्या

झारखण्ड की जनजातीय परंपराएं हमारी धरोहर : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज्य संग्रहालय सभागार, खेलगांव, होटवार, रांची में एक भारत, श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित सांस्कृतिक संध्या के अवसर पर कहा कि ऐसे आयोजन न केवल झारखण्ड, बल्कि पूरे पूर्वी भारत के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल एवं ईस्टर्न ज़ोनल कल्चरल सेंटर के अध्यक्ष डॉ० सी.वी. आनंद बोस तथा गोवा से आए कलाकारों का हार्दिक स्वागत किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत की पहचान केवल भौगोलिक सीमाओं से ही नहीं, बल्कि इसकी विविधता और समृद्ध संस्कृति से है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के कथन का स्मरण करते हुए कहा कि भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि जीता–जागता राष्ट्रपुरुष है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की जनजातीय परम्पराएं– नगाड़े, मांदर, छऊ नृत्य, हमारी पीढ़ियों की धरोहर हैं, वहीं गोवा अपनी समुद्री धुनों और लोकगीतों के लिए विख्यात है। यह आयोजन दोनों राज्यों की सांस्कृतिक परम्पराओं को जोड़ने का माध्यम बना है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने 31 अक्तूबर 2015 को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर एक भारत, श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की घोषणा की थी।

माननीय प्रधानमंत्री का विश्वास है कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि लोक भवन, रांची में भी सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज झारखण्ड और गोवा के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम केवल कला का प्रदर्शन नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, समझ और भाईचारे का उत्सव है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में विविधता में एकता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है ।

'विश्व बंधुत्व के लिए विशाल और समृद्ध भारत का महत्व' विषय पर संगोष्ठी

भारत की युवा शक्ति विश्व बंधुत्व की आधारशिला : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आड्रे हाउस, रांची में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच, झारखण्ड द्वारा 'विश्व बंधुत्व के लिए विशाल और समृद्ध भारत का महत्व' के विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने आदिकाल से ही दुनिया को वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है। हमारे देश की पहचान प्राचीन काल से ही 'विश्व गुरु' के रूप में रही है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज जब हम विश्व बंधुत्व में विशाल और समृद्ध भारत की बात करते हैं, तो इसका अर्थ केवल भौगोलिक आकार या आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक आशय एक ऐसे भारत से भी है, जो आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से विश्व का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश पुनः 'विश्व गुरू' के रूप में पूरी दुनिया में अपना स्थान प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री भी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सदैव यही संदेश देते हैं कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए सोचता है। उनकी नीति में वास्तव में वैश्विक भाईचारे की नींव निहित रहती है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि विश्व बंधुत्व तभी संभव है, जब हम अपने अंतर्मन में भाईचारे और करुणा की भावना विकसित करें। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने पड़ोसी को परिवार समझे, हर समाज दूसरे समाज को मित्र समझे और हर राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को सहयोगी समझे, तो निश्चित ही हम एक ऐसे युग की शुरुआत करेंगे जहां शांति और समृद्धि दोनों स्थायी होंगे।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलाभिषेक कर पूजा–अर्चना की तथा समस्त राज्यवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बूटी मोड़, रांची स्थित महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर निर्मित दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया तथा सभी राज्यवासियों को नवरात्रि व दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि जिस भक्ति और लगन से यह पंडाल तैयार किया गया है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं है, बल्कि नारी शक्ति, साहस और न्याय का प्रतीक है। यह पावन पर्व सत्य, धर्म, करुणा और सद्भावना जैसे मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

एम्स देवघर का छठा वार्षिक दिवस समारोह

चिकित्सक का सेवा भाव सबसे बड़ी औषधि : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने एम्स देवघर के छठा वार्षिक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर केवल एक संस्थान का वार्षिकोत्सव मात्र नहीं है, बल्कि सेवा, समर्पण और संकल्प की उस यात्रा का उत्सव है, जिसने स्वास्थ्य और आशा की नई किरण जगाई है। उन्होंने 31 जुलाई, 2025 को माननीया राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न प्रथम दीक्षांत समारोह का उल्लेख करते हुए कहा कि वह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि सेवा का संकल्प लेने का क्षण भी था।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि 270 एकड़ में फैला यह परिसर एक 750 बेड वाला यह सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल है, जिसमें अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं, डायग्नॉस्टिक सेवाएं, उत्कृष्ट संकाय और शोध केंद्र हैं। यहां झारखण्ड के अलावा बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों से भी बड़ी संख्या में मरीज उपचार हेतु आते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि चिकित्सक का दायित्व केवल रोग का उपचार करना ही नहीं है, बल्कि रोगी के मन में स्वस्थ होने की आशा और विश्वास जगाना भी है। एक चिकित्सक की अच्छी वाणी, उसका धैर्य और उसका स्नेह कभी-कभी मरीजों के लिए सबसे बड़ी औषधि सिद्ध हो जाते हैं। यही कारण है कि अस्पताल केवल इलाज का स्थान नहीं होता, बल्कि मानवता और करुणा का मंदिर भी होता है।आपकी संवेदनशीलता और आपकी निष्ठा ही इस संस्थान की वास्तविक पहचान बनेगी। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने एक्स-रे 1000 एमए, 128-स्लाइस सीटी स्कैन तथा कार्डियक कैथेटेराईजेशन प्रयोगशाला का उद्घाटन भी किया।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान'

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार की आधारशिला : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा मध्य प्रदेश से शुभारंभ 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' के अवसर पर सदर अस्पताल, रांची में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन विशेष महत्व रखता है। आज हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिन है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि प्रधानमंत्री जी सदैव जनकल्याण को अपनी नीतियों का केंद्र बिंदु मानते हैं। इस अभियान के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर और जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की आधारशिला है और सशक्त परिवार ही सशक्त भारत का निर्माण करता है। इस अभियान के अंतर्गत झारखण्ड में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से लेकर जिला अस्पतालों तक स्वास्थ्य जांच और जागरूकता शिविर आयोजित किए जाने हैं।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि इस अभियान की पूर्ण सफलता तभी संभव है जब जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्यकर्मी, पंचायत सदस्य, स्वयं सहायता समूह, आंगनबाड़ी सेविकाएँ, सहिया दीदी, स्वयंसेवी संस्थाएँ और मीडिया, सभी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि झारखण्ड के अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और नागरिक मिलकर इस अभियान को स्वास्थ्य–जागरण का महाअभियान बनाएंगे। राज्यपाल महोदय ने सभी से आह्वान किया कि वे पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ इस अभियान को सफल बनाकर आदरणीय प्रधानमंत्री जी के स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (CDS) जनरल अनिल चौहान ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि आपके आगमन से राज्य के युवाओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (AOC-in-C), एयर मार्शल सूरत सिंह ने लोक भवन में भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से नौसेना प्रमुख एडमिरल श्री दिनेश कुमार त्रिपाठी जी ने लोक भवन, राँची में शिष्टाचार भेंट की। उक्त अवसर पर माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ जी भी उपस्थित थे।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से नवनियुक्त राज्य निर्वाचन आयुक्त, झारखण्ड श्रीमती अलका तिवारी ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की।

बच्चों से संवाद

हमारी सेना विषम से विषम परिस्थितियों में भी देश की सुरक्षा में सदैव तत्पर : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन के बिरसा मंडप में माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ एवं प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित बच्चों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सेना केवल हमारी सीमाओं की रक्षा ही नहीं करती, बल्कि हमारे सपनों और भविष्य की भी सुरक्षा करती है। हमारे वीर जवान विषम से विषम परिस्थितियों में भी देश की सुरक्षा में सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे जीवन में चाहे जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़ें, सैनिक, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या वैज्ञानिक बनें, सबसे पहले अच्छे इंसान और सच्चे देशभक्त नागरिक बनें। माननीय राज्यपाल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को केंद्र में रखकर विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स का उल्लेख करते हुए कहा कि ये केवल चित्र नहीं हैं, बल्कि बच्चों के हृदय में बसे देशप्रेम और वीर जवानों के प्रति सम्मान का सजीव प्रतीक हैं।

राज्यपाल महोदय ने झारखण्ड की वीरता और बलिदान की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखण्ड की धरती सदैव वीरता और बलिदान की भूमि रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं में सेना में जाने की गहरी अभिरुचि रही है और यह पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को अनुशासन, निरंतर अध्ययन और ऊँचे आदर्श अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि राष्ट्र का भविष्य इन्हीं बच्चों के हाथों में सुरक्षित है।

'East Tech Symposium 2025'

डिफेंस एक्सपो आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने खेलगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रांची में माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ एवं प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित 'East Tech Symposium 2025' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती शक्ति, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को दर्शाता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह डिफेंस एक्स्पो "आत्मनिर्भर भारत" के उस संकल्प का प्रतीक है, जिसमें देश की शक्ति, सामर्थ्य और स्वाभिमान समाहित है। पूर्वी भारत में इस प्रकार की रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन, औद्योगिक विकास, नवाचार और रक्षा उत्पादन में सहयोग की नई दिशाएं खोलेगा। उन्होंने कहा कि भारत अब रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक और निर्यातक देश बन चुका है। भारत के रक्षा उत्पाद अब कई देशों में निर्यात किए जा रहे हैं और रक्षा निर्यात 1,27,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टि नेतृत्व और उनके 'मेक इन इंडिया' के आह्वान ने ही यह संभव किया है। । उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां प्रमाण हैं कि भारत आज वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है।

राज्यपाल महोदय ने आशा व्यक्त की कि 'ईस्टटेक 2025' उद्योगों, स्टार्टअप्स और शोध संस्थानों के लिए नये अवसर खोलेगा। यह प्रदर्शनी रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक परिदृश्य में नवचेतना का संचार करेगी और युवाओं को नवाचार की दिशा में प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि यह राज्य केवल खनिज संपदा से ही समृद्ध नहीं, बल्कि यहां की मिट्टी में परिश्रम और युवाओं की आंखों में उम्मीद, उमंग और हौसले की चमक है।

बोकारो में बिनोद बिहारी महतो की जयंती पर पुष्पांजलि सभा

संघर्ष और सेवा की मिसाल थे बिनोद बिहारी महतो : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड आंदोलन के महानायक एवं समाज सुधारक स्व. बिनोद बिहारी महतो जी की जयंती पर बिनोद बिहारी महतो विस्थापित स्टेडियम, रामडीह मोड़, चंदनकियारी रोड, बोकारो में आयोजित 'पुष्पांजलि सभा' में कहा कि बिनोद बिहारी महतो जी का जीवन संघर्ष, समर्पण और सेवा की अद्वितीय गाथा है। उन्होंने सामाजिक न्याय और समानता के लिए जीवनपर्यन्त कार्य किया तथा वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को आवाज़ देने का कार्य किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्व. महतो जी ने शिक्षा को समाज की असली शक्ति माना और युवाओं को 'पढ़ो और लड़ो' का प्रेरक संदेश दिया। यही कारण है कि उनकी विचारधारा आज भी युवा पीढ़ी के लिए पथ–प्रदर्शक है। राज्यपाल महोदय ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य में उनके नाम पर बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय स्थापित है, जहां हाल ही में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि 1991 में बिनोद बिहारी महतो जी हमारे साथी के रूप में लोकसभा में रहे। जब पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व वाली सरकार में झारखण्ड राज्य का सृजन हुआ तो उस समय भी वे लोकसभा के सदस्य थे। माननीय राज्यपाल ने नागरिकों से आह्वान किया कि झारखण्ड को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का आदर्श राज्य बनाने का संकल्प लें, यही स्व. बिनोद बिहारी महतो जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राज्यपाल महोदय ने इससे पूर्व वहां स्थापित बिनोद बिहारी महतो जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

माननीय केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने लोक भवन में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज की 350वीं शहादत शताब्दी वर्ष के अवसर पर गुरु नानक स्कूल, रांची में आयोजित 'जागृति यात्रा' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए तथा कीर्तन श्रवण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विदित हो कि यह 'जागृति यात्रा' श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज की 350वीं शहादत शताब्दी वर्ष को समर्पित है। यह यात्रा 17 सितंबर को गुरु के बाग, पटना साहिब से आरम्भ हुई थी और विभिन्न राज्यों से होकर रात्रि रांची पहुंची।

नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह

गोल्ड मेडलिस्ट छात्राओं की बढ़ती संख्या महिला सशक्तिकरण का प्रतीक : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने पलामू स्थित नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपाधि केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि आपके सपनों, संघर्ष और जिम्मेदारियों का प्रतीक है। आप सभी को केवल अपने कैरियर तक सीमित न रहकर समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए संकल्पित होना है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय महान स्वतंत्रता सेनानी नीलाम्बर एवं पीताम्बर के नाम पर स्थापित है। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में सदैव तत्पर रहें। राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालयों को नियमित कक्षाएं संचालित करने, समय पर परीक्षा आयोजित करने और विद्यार्थियों को बिना विलम्ब डिग्री प्रदान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हर हाल में अकादमिक कैलेण्डर का पालन करें। उन्होंने कहा कि उनका स्पष्ट निदेश है कि विद्यार्थियों को हर हाल में गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा राज्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभी बहुत पीछे है। यहां के अनेक विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए बाहर पलायन करते हैं। इस स्थिति को बदलना आवश्यक है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में छात्राओं की संख्या छात्रों की अपेक्षाकृत अधिक देखने को मिल रही है, जो महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत की झलक प्रस्तुत करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल और प्रतिभा का उपयोग समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें। इससे पूर्व माननीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति महोदय ने विश्वविद्यालय परिसर में महर्षि विश्वामित्र केन्द्रीय पुस्तकालय का लोकार्पण किया।

आर्यभट्ट सभागार में 9वीं NAGI अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

अगली पीढ़ी को हरित धरती सौंपना लक्ष्य हो : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने भूगोल विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आर्यभट्ट सभागार में पृथ्वी का सतत भविष्यः संसाधनों के उपयोग एवं प्रबंधन की उभरती चुनौतियां विषय पर आयोजित तीन दिवसीय 9वीं NAGI अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह विषय न केवल शैक्षणिक दृष्टि से, बल्कि मानवता के भविष्य के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और संरक्षण की है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण, औद्योगिकीकरण और नगरीकरण की तीव्र गति ने जहां आर्थिक अवसर प्रदान किए हैं, वहीं संसाधनों के अंधाधुंध दोहन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं। उन्होंने जोर दिया कि संसाधनों का संरक्षण केवल बचत नहीं, बल्कि उन्हें पुनर्जीवित करने और संतुलित उपयोग करने की प्रक्रिया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनसे लाभान्वित हो सकें।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पंचामृत संकल्प के माध्यम से 2070 तक 'नेट–ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन' का लक्ष्य रखा है और मिशन लाइफ (Lifestyle for Environment) के द्वारा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि यदि हम दैनिक जीवन में छोटे–छोटे बदलाव करें, जैसे जल की बचत, ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा, तो हम आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और हरित पृथ्वी दे सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस सम्मलेन के माध्यम से वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के विचार–विमर्श से ठोस सुझाव और कार्ययोजनाएं सामने आएंगी, जो नीति–निर्माताओं और योजनाकारों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगी।

स्व. सीताराम मारू जी की जन्म शताब्दी दिवस पर स्मारक डाक टिकट का लोकार्पण

सामाजिक व सांस्कृतिक चेतना जगायी स्व. मारू ने : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन में भारतीय डाक विभाग द्वारा स्व. सीताराम मारू जी के जीवन एवं योगदान पर आधारित स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्व. सीताराम मारू जी मां भारती के ऐसे तपस्वी और कर्मठ सपूत थे, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया। उनकी जन्म शताब्दी पर डाक विभाग द्वारा स्मारक डाक टिकट जारी करना उनके जीवन और कार्यों को सच्ची श्रद्धांजलि है।

माननीय राज्यपाल ने स्व. मारू जी के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि सामाजिक व सांस्कृतिक चेतना जगाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन निरंतर समाज और राष्ट्र की सेवा में व्यतीत हुआ। उन्होंने कहा कि स्व. मारू जी ने समाज सेवा के क्षेत्र में 'मारवाड़ी सहायक समिति' और नागरमल मोदी सेवा सदन की स्थापना में अविस्मरणीय योगदान दिया। संस्कृति विहार के अध्यक्ष के रूप में संस्कृति संरक्षण और शिक्षा, चिकित्सा व ग्रामोन्नति की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रेरणा से उन्होंने 'रांची एक्सप्रेस' और 'जय मातृभूमि' जैसे समाचार पत्र प्रारंभ किए, जिन्होंने राष्ट्रवाद की भावना को जन–जन तक पहुंचाने और समाज को दिशा देने का कार्य किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि धर्म और संस्कृति के प्रति उनकी गहरी आस्था का प्रमाण बुंडू (रांची) स्थित सूर्य उपासना भवन (सूर्य मंदिर) का निर्माण है। उन्होंने कहा कि स्व. सीताराम मारू जी का जीवन इस बात का सजीव उदाहरण है कि निःस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्र की सेवा करने वाला व्यक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बन जाता है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि स्व. मारू जी पर आधारित यह स्मारक डाक टिकट नयी पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेने हेतु सदैव प्रेरित करता रहेगा।

हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी-विकसित भारत @2047 मैराथन

स्वदेशी से चमकेगी हमारी अर्थव्यवस्था : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने मोरहाबादी, रांची में आयोजित हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी-विकसित भारत @2047 मैराथन के अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों, आयोजकों तथा नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन राष्ट्र चेतना, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी भावना का प्रतीक है। उन्होंने इस जन-जागरूकता अभियान के आयोजन हेतु माननीय केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ को हार्दिक बधाई दी तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हर घर स्वदेशी का यह आह्वान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के उस विचार को आत्मसात करने का संदेश देता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि स्वदेशी अपनाना केवल वस्तु का चयन नहीं, बल्कि देश के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी निरंतर देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' बनने का आह्वान करते हैं। माननीय राज्यपाल ने कहा कि स्वदेशी अपनाना, देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है और यही 'विकसित भारत @2047' का मार्ग है। यह मैराथन उसी भावना का जीवंत प्रतीक है, जहां हर कदम स्वदेशी, स्वास्थ्य और स्वाभिमान की दिशा में बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यहां के लोग इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे माननीय प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल संदेश को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट–2025

जनता–पुलिस के बीच हो विश्वास का रिश्ता : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राँची के जैप–1 परिसर में आयोजित झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट–2025 के उद्घाटन समारोह में कहा कि यह आयोजन न केवल हमारे पुलिस बल की कार्यकुशलता, अनुशासन और दक्षता का प्रतीक है, बल्कि यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सहयोग और टीम भावना को भी सुदृढ़ करता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि पुलिसकर्मी किसी भी राज्य की सुरक्षा, शांति और व्यवस्था के आधारस्तंभ होते हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच संवाद एवं विश्वास का रिश्ता मजबूत होना चाहिए। पुलिसकर्मी जनता से शालीनता से संवाद करें, उनकी शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुनें और तत्परता से उनका निबटारा करें, ताकि नागरिक निडर होकर अपनी बात रख सकें।

माननीय राज्यपाल ने अनुसंधान कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण में वैज्ञानिक तरीकों और आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाना चाहिए, जिससे अपराधी शीघ्र कानून के दायरे में आएं और पीड़ित को समय पर न्याय मिले। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानून न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार के प्रतीक हैं, जिनका उद्देश्य पीड़ित केंद्रित न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि झारखंड पुलिस इन कानूनों की भावना को आत्मसात करते हुए जनता की सुरक्षा और न्याय की स्थापना में एक आदर्श प्रस्तुत करेगी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य में नक्सली गतिविधियों के उन्मूलन की दिशा में और अधिक सशक्त पहल आवश्यक है।

झारखण्ड यूरोलॉजी सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन

छोटे शहरों तक पहुंचें उन्नत चिकित्सा सुविधाएं : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड यूरोलॉजी सोसाइटी (East Zone Chapter of Urological Society of India) द्वारा होटल वेव इंटरनेशनल, सरायकेला–खरसावां में आयोजित '34वें वार्षिक सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यूरोलॉजी चिकित्सा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विशिष्ट शाखा है, इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि हमारे देश के चिकित्सक आधुनिक तकनीकों को आत्मसात कर विश्वस्तरीय उपचार प्रदान कर रहे हैं। राज्यपाल महोदय ने छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में यूरोलॉजिस्ट की कमी को एक गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि इस कारण अनेक मरीजों को उपचार के लिए बड़े शहरों की ओर रुख करना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक, शारीरिक और मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इस चुनौती के समाधान के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं को छोटे शहरों तक पहुंचाने के सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

माननीय राज्यपाल ने स्वास्थ्य जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि पथरी, प्रोस्टेट तथा मूत्र संक्रमण जैसी बीमारियां आज आम होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग पथरी के दर्द को सामान्य दर्द समझ लेते हैं और मेडिकल स्टोर से दवा लेकर उपचार करने लगते हैं, जिससे बीमारी बढ़ जाती है और जटिल स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें, किसी भी असामान्य लक्षण को हल्के में न लें और समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श ले। साथ ही उन्होंने कहा कि अपने खानपान और जीवनशैली दोनों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ आदतें ही स्वस्थ जीवन का आधार हैं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ जी के यहां जाकर छठ पूजा का प्रसाद ग्रहण किया एवं भगवान भास्कर एवं छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, हरमू रोड, रांची की ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय को ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने रक्षा–सूत्र बांधा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। राज्यपाल महोदय ने ब्रह्मकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना एवं महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल जी ने माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से लोक भवन, रांची में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से माननीय मंत्री, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, झारखण्ड सरकार श्री सुदिव्य कुमार ने लोक भवन में भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने माननीय उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री से राज्य में उच्च शिक्षा की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए इसमें गुणवत्तापूर्ण सुधार की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की।

लोक भवन में विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

विविधता में एकता ही हमारी पहचान : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन में जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप और पुडुचेरी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने वहां के नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर जम्मू–कश्मीर और लद्दाख की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय इन दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के नागरिकों को समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित कराने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ है। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश दक्षिण भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और प्रचुर संसाधनों के लिए प्रसिद्ध है, हरियाणा ने कृषि और खेलों में देश का गौरव बढ़ाया है, कर्नाटक नवाचार और तकनीकी प्रगति का केंद्र बनकर उभरा है, केरल, जिसे 'भगवान का अपना देश' कहा जाता है, अपनी उच्च साक्षरता और प्रगतिशील समाज के लिए प्रेरणास्रोत है, मध्य प्रदेश अपनी प्राचीन सभ्यता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है, पंजाब साहस, वीरता और कृषि समृद्धि की भूमि है, जबकि तमिलनाडु शास्त्रीय कला, साहित्य और द्रविड़ संस्कृति का धरोहर है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि देश के विभिन्न भागों से जुड़े नागरिक झारखण्ड की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी जी से शिष्टाचार भेंट की तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल जी से शिष्टाचार भेंट की।

पंचतत्व सेवा संगठन का वार्षिकोत्सव

समाज सेवा जीवन का सर्वोच्च धर्म है : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने हजारीबाग स्थित पैराडाइज रिसॉर्ट में पंचतत्व सेवा संगठन के वार्षिकोत्सव समारोह–2025 को संबोधित करते हुए कहा कि परोपकार से बड़ा कोई पुनीत कार्य नहीं है। समाज सेवा जीवन का सर्वोच्च धर्म है और समाज के कमजोर तथा जरूरतमंद वर्ग की सहायता करना सच्चे मानवीय मूल्यों का परिचायक है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हर्ष का विषय है कि संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने संस्था द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविरों तथा आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि भारत की संस्कृति और परंपरा सेवा, समर्पण एवं करुणा पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन और अमूल्य विरासत है, जो केवल उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि संतुलित एवं स्वस्थ जीवन का समग्र दर्शन है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को सशक्त बनाने हेतु कई ठोस कदम उठाए गए हैं। केंद्र में स्वतंत्र आयुष मंत्रालय की स्थापना, अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है जिससे वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद की स्वीकार्यता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की विशेषता रही है कि यहां आधुनिकता और परंपरा एक–दूसरे साथ–साथ आगे बढ़ रहे हैं।

गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव

माननीय राज्यपाल ने मत्था टेका, प्रसाद ग्रहण किया

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर रांची स्थित गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, पी.पी. कंपाउंड, रांची जाकर मत्था टेका। उन्होंने वहां कीर्तन कार्यक्रम में भाग लेते हुए गुरुबाणी का श्रवण किया तथा श्रद्धालुओं से भेंट की और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर माननीय राज्यपाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने पूरे मानव समाज को सत्य, करुणा, सेवा, समानता और सद्भाव का महान संदेश दिया। उनके उपदेश मानवता के मार्ग पर चलने और आपसी प्रेम तथा भाईचारे को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपने विचार और जीवन व्यवहार में आत्मसात करने का आह्वान किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्व उप प्रधानमंत्री भारत रत्न आदरणीय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी से उनके जन्मदिन पर नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में आडवाणी जी का योगदान अविस्मरणीय है तथा उनके आदर्श एवं जीवन–मूल्य सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री मुरली मनोहर जोशी जी से शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल ने माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी से उपराष्ट्रपति निवास,नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू जी से शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने केन्द्रीय मंत्री श्री पंकज चौधरी जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर जी से शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री बी. एल. वर्मा जी से शिष्टाचार भेंट की।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची का 8वां दीक्षांत समारोह

प्रगति तभी सार्थक है जब उसकी रोशनी समाज तक पहुंचे : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के 8वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है, जिसमें मेहनत, संघर्ष, सीख, साधना और आत्म–विश्वास का समावेश होता है। विद्यार्थी ही विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और पहचान के वाहक होते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है और आने वाले 25 वर्षों में यही युवा शक्ति भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कोविड–19 महामारी के समय जब अनेक क्षेत्र संकटग्रस्त थे, तब कृषि क्षेत्र ने देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखा। उन्होंने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं को देश का सच्चा विकास–नायक बताया।।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि आप जहां भी जाएं, अपनी मातृभूमि, गांव, किसान और अपनी जड़ों से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि प्रगति तभी सार्थक है जब उसकी रोशनी समाज तक पहुंचे। आप सभी इस विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेसडर हैं। आपकी उपलब्धियां ही इस संस्थान की पहचान बनेंगी।

माननीय केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम ने माननीय राज्यपाल से लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य के जनजातीय कल्याण एवं विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने लोक भवन में भेंट की तथा दिनांक 15.11.2025 को मोरहाबादी में आयोजित 'राज्य स्थापना दिवस समारोह' में माननीय राज्यपाल महोदय को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। माननीय मुख्यमंत्री ने झारखण्ड विधानसभा द्वारा पारित झारखण्ड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (विशेष छूट) विधेयक, 2025 पर स्वीकृति प्रदान करने हेतु माननीय राज्यपाल महोदय के प्रति आभार व्यक्त किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली के 23वें दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें "लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

'नक्षत्र'–स्कॉलर बैज समारोह–2025

प्रत्येक चुनौती नया अवसर लेकर आती है : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो स्टील सिटी में आयोजित 'नक्षत्र'–स्कॉलर बैज समारोह–2025 में विद्यार्थियों को 'बाल दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डी.पी.एस., बोकारो आज न केवल झारखण्ड, बल्कि पूरे देश के उत्कृष्ट विद्यालयों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। इस विद्यालय के विद्यार्थियों ने IIT–JEE में ऑल इंडिया टॉप 5 में से 3 स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इसी प्रकार, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन की परीक्षा में विद्यालय के एक छात्र ने देश में प्रथम स्थान अर्जित कर संस्थान की गौरवशाली परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वर्ष 2026 में अपनी 40 वर्षों की सफल यात्रा पूर्ण कर यह संस्थान शिक्षा, संस्कृति और प्रगति का और भी उज्ज्वल प्रतीक बनेगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों, जनजातीय गौरव और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर से संपन्न है, परंतु राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता इसकी युवा शक्ति में निहित है। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' यही प्रेरणा देती है कि परीक्षा को तनाव नहीं, बल्कि उत्सव की तरह लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा वातावरण बनाना है जहां प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, सम्मानित और समर्थ महसूस करे, ताकि वह बिना भय के अपने सपनों की उड़ान भर सके। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन की वास्तविक सफलता केवल अंकों से नहीं आंकी जाती।

उलिहातू में भगवान बिरसा को नमन

महान समाज सुधारक व राष्ट्रनायक थे भगवान बिरसा : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उलिहातू, खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि जन–आस्था, जन–मानस और जन–भावनाओं के भगवान हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के दिन ही झारखण्ड राज्य की स्थापना हुई थी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय स्तर पर 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी संस्कृति, अपनी धरती और अपने लोगों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि जनजातीय समुदाय का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। यह समुदाय भारतीय संस्कृति का प्राचीन और अभिन्न अंग रहा है। प्रकृति से इसका गहरा संबंध, लोक–परंपराओं की विविधता और जीवन मूल्यों की विशिष्टता इसे वैश्विक पहचान दिलाती है। उन्होंने शिक्षा पर बल देते हुए जनजातीय समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक होने हेतु कहा। उन्होंने कहा कि ज्ञान ही शक्ति है और राष्ट्र की प्रगति का सबसे बड़ा आधार भी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाए जाने से जनजातीय परंपराओं, शौर्य गाथाओं और सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय पहचान मिली है।

झारखण्ड राज्य स्थापना के 25 वर्ष

प्रकृति, विरासत और परिश्रमी लोग हमारी शक्ति : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि झारखण्ड के 25 वर्ष पूर्ण होना सभी राज्यवासियों के लिए आत्मगौरव, आत्मचिंतन और आत्मसंकल्प का क्षण है। उन्होंने कहा कि इस राज्य की नींव जन–आकांक्षाओं, संघर्षों और सपनों की भूमि पर रखी गई है। राज्यपाल महोदय ने भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू–कान्हू, नीलांबर–पीतांबर, फूलो–झानो समेत सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान ने इस पावन धरती की गौरवगाथा को और अधिक समृद्ध किया है। उन्होंने झारखण्ड राज्य के गठन में योगदान हेतु पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनकी दूरदृष्टि और संकल्प के कारण ही इस राज्य का सृजन संभव हो सका। उन्होंने यह भी कहा कि यह दिन इसलिए भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है और पूरा देश धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मना रहा है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि रजत जयंती वर्ष के अवसर पर प्रत्येक नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह एक सशक्त, समृद्ध और विकसित झारखण्ड के निर्माण में अपनी सक्रिय व ईमानदार भूमिका निभाए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी के सम्मिलित प्रयासों से आने वाले वर्षों में झारखण्ड विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। राज्यपाल महोदय ने समारोह में दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के जीवन–वृत्त पर आधारित प्रदर्शनी तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी अवलोकन किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के अवसर पर कोकर स्थित उनके समाधि स्थल जाकर, माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष और समर्पण हमें अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ संकल्प की प्रेरणा देता है।

माननीय राज्यपाल ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा–सुमन अर्पित की।

जनजाति गौरव दिवस

जनजातीय परंपरा, संस्कृति, शौर्य को राष्ट्रीय पहचान मिली : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय, रांची के दीक्षांत मंडप में जनजाति गौरव दिवस आयोजन समिति, रांची द्वारा 'जनजातीय गौरव दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे देश में भगवान बिरसा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है और इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पहल धरती आबा के अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के साथ–साथ भारत की जनजातीय परंपराओं, संस्कृति और शौर्य को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करने वाली है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड की लगभग 3.28 करोड़ जनसंख्या में लगभग 28% जनजातीय समुदाय है। राज्य की 32 अनुसूचित जनजातियों और कई PVTG समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं। इन योजनाओं का लाभ जनजातीय समाज तक पहुंचाना सामूहिक दायित्व है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमारा जनजातीय समाज कला, साहित्य, हस्तशिल्प, संगीत के साथ–साथ खेल के क्षेत्र में भी अत्यंत प्रतिभाशाली है। महिला हॉकी टीम में यहां की बेटियां देश का मान बढ़ा रही हैं। झारखंड को Land of Archery कहा जाना तीरंदाजी के क्षेत्र में प्रतिभा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 'जनजातीय गौरव दिवस' केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि अपनी विरासत, संघर्ष, शौर्य और सांस्कृतिक अस्मिता को स्मरण करने का अवसर है।

HARBINGERS–2025

शिक्षा का उद्देश्य संस्कारित और उत्तरदायी बनाना है : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली, रांची में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक समारोह HARBINGERS–2025 में सम्मिलित होकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए वर्ष 1966 में स्थापित इस प्रतिष्ठित विद्यालय की गौरवशाली परंपरा, अनुशासन एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर्ष है कि यह विद्यालय न केवल झारखण्ड, बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सादगी, अनुशासन और ख्याति इस संस्थान की मूल भावना के प्रतीक हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अंकों की प्राप्ति नहीं, बल्कि संवेदनशील, संस्कारित और उत्तरदायी नागरिक का निर्माण है। शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के नैतिक और चारित्रिक मूल्यों का निर्माण भी करती है। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे ईमानदारी, परिश्रम और सकारात्मकता को अपने जीवन में सर्वोच्च स्थान दें तथा अपने माता–पिता और शिक्षकों का सम्मान करें। राज्यपाल महोदय ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका का 9वां दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय सामाजिक चुनौतियों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभायें : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने कन्वेंशन सेंटर, एग्रो पार्क, एस.पी. कॉलेज रोड, दुमका में सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के 9वें दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र–छात्राओं तथा शोधार्थियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कार्यक्रम में महान स्वतंत्रता सेनानी सिदो और कान्हु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संथाल विद्रोह 'हूल क्रांति' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इन वीरों से सतत प्रेरणा लेनी चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की पहुंच बढ़ाना और स्थानीय समस्याओं पर आधारित शोध को प्रोत्साहित करना विश्वविद्यालयों का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास और सामाजिक चुनौतियों के समाधान खोजने में अग्रणी बनें। राज्यपाल महोदय ने कहा कि आपकी शिक्षा तभी सार्थक है जब वह समाज, गांवों, गरीबों, दलितों और जनजातीय भाइयों–बहनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी पूर्ण होगा जब हमारे विश्वविद्यालय नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और प्रभावी शैक्षणिक पद्धतियों को प्राथमिकता देंगे।

डी.पी.एस., देवघर का भूमि पूजन एवं शिलान्यास

विद्यालय ज्ञान, संस्कार और चरित्र निर्माण का पवित्र केंद्र : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने देवघर में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डी.पी.एस.), देवघर के भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह में देवघर की पावन धरती को नमन करते हुए कहा कि यह समारोह केवल एक शैक्षणिक संस्थान की नींव रखने का कार्यक्रम ही नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने इसे देवघर और संपूर्ण शिक्षा समाज के लिए एक शुभ अवसर बताया।

राज्यपाल महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि देवघर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक समृद्धि और मानवीय मूल्यों की पवित्र भूमि है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि जहां रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ जैसे प्रतिष्ठित संस्थान वर्षों से यहां शिक्षा की धारा प्रवाहित कर रहे हैं, वहीं अब डी.पी.एस., देवघर का आगमन इस क्षेत्र में शिक्षा के एक नए युग का आरंभ करेगा। आशा है, यह शिक्षा का मंदिर आने वाली पीढ़ियों को दिशा देगा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि विद्यालय केवल भवन नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और चरित्र निर्माण का पवित्र केंद्र होता है। उन्होंने कहा कि सच्ची शिक्षा वह है, जो विद्यार्थी को विचारशील, संवेदनशील और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाए।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्री रबींद्र नाथ महतो ने लोक भवन में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय को दिनांक 22 नवम्बर, 2025 को आयोजित झारखण्ड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) समारोह 2025 में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने लोक भवन में भेंट की। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें सदैव अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु तत्पर एवं समर्पित रहने का संदेश दिया।

'प्रकल्प भवन' का उद्घाटन व 'साधना दिवस' कार्यक्रम

सेवा, संस्कार व समाज निर्माण का प्रकल्प : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार चांडिल, सरायकेला–खरसावां में नवनिर्मित विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी सेवा एवं प्रशिक्षण 'प्रकल्प भवन' के उद्घाटन समारोह तथा 'साधना दिवस' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि 'प्रकल्प भवन' का उद्घाटन चांडिल ही नहीं, बल्कि पूरे झारखण्ड–बिहार क्षेत्र में सेवा, संस्कार और समाज–निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भवन मात्र एक संरचना नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र धर्म की भावना पर आधारित एक जीवंत केंद्र है, जहां से समाज परिवर्तन की नई धारा प्रवाहित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आज 'साधना दिवस' है, जो केंद्र के संस्थापक एकनाथ रानाडे जी की जयंती को समर्पित है।

राज्यपाल महोदय ने युगपुरुष स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि विवेकानंद केंद्र का उद्देश्य आध्यात्म–आधारित मानव निर्माण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सेवा भवन युवाओं में चरित्र, नेतृत्व और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करने का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की जनजातीय संस्कृति, प्रकृति–प्रेम और सामुदायिक सौहार्द राज्य की अनमोल धरोहर है। इस सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक शिक्षा और कौशल विकास से जोड़ना समय की आवश्यकता है और इस दिशा में यह प्रकल्प महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह

बेटियां विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगी : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों की शिक्षा किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का आधार है। उन्होंने उपाधि प्राप्त सभी छात्राओं को हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की यात्रा एक इंटरमीडिएट कॉलेज से पूर्ण विश्वविद्यालय बनने तक महिला शिक्षा, सशक्तिकरण और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरक कहानी है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि विश्वविद्यालय की पूर्व छात्राएं शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, उद्यमिता, कला और खेल सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। माननीय राज्यपाल ने माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा नारी–सशक्तिकरण, बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के लिए चलाए जा रहे अभियानों विशेष रूप से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', कौशल विकास एवं महिला उद्यमिता से संबंधित कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके सकारात्मक परिणाम पूरे देश में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की बेटियां आज विश्व–स्तर पर नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं और झारखण्ड की बेटियां भी इस दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रही हैं।

'चतुर्थ बाल मेला–2025'

कुपोषण, कम वजन और एनीमिया जैसी समस्याएं गंभीर : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने साकची, जमशेदपुर में आयोजित 'चतुर्थ बाल मेला–2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह हर्ष का विषय है कि वर्ष 2022 में माननीय विधायक श्री सरयू राय जी की प्रेरणा से आरम्भ हुआ यह बाल मेला आज बच्चों के अधिकार, पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जन–जागृति का एक सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बाल दिवस (14 नवंबर) से विश्व बाल दिवस (20 नवंबर) तक आयोजित यह मेला बचपन की मासूमियत, उज्ज्वल उम्मीदों और भविष्य की संभावनाओं का उत्सव है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस वर्ष विश्व बाल दिवस का विषय 'प्यार से पालन–पोषण – विश्व का नेतृत्व' बच्चों के लिए प्रेमपूर्ण, सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण की अनिवार्यता पर बल देता है। उन्होंने बच्चों के अधिकारों और उनके समग्र विकास से जुड़ी वर्तमान चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि झारखण्ड सहित कई राज्यों में कुपोषण, कम वजन और एनीमिया जैसी समस्याएं अभी भी गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश कुपोषण–मुक्त भारत की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहा है और झारखंड में भी इन प्रयासों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि झारखण्ड की धरती जनजातीय संस्कृति और परंपरा से समृद्ध है। जनजातीय समाज की यह मान्यता कि बच्चा केवल परिवार का नहीं, पूरे समुदाय का होता है, दुनिया को सामुदायिक सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी का अमूल्य संदेश देती है। उन्होंने कहा कि राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों और विभिन्न विद्यालयों के भ्रमण के दौरान उन्होंने बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा, खेल–कूद की क्षमता, संगीत–नृत्य की स्वाभाविक समझ तथा प्रकृति के प्रति गहरी संवेदना देखी है।

Achievers Night कार्यक्रम

सफल होने के साथ जिम्मेदार नागरिक भी बनें : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने डी.ए.वी. नंदराज स्कूल, बरियातू, रांची द्वारा आयोजित Achievers Night कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि यह विद्यालय वैदिक शिक्षा, आधुनिक कौशल और संस्कारयुक्त वातावरण प्रदान करने की दिशा में प्रयासरत है। उन्होंने विद्यालय में स्थापित AI, रोबोटिक्स लैब, ई–लाइब्रेरी, म्यूजिक लैब और 'अंकुर' प्रयोगशाला जैसी सुविधाओं को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि असफलता कभी भी रुकने का कारण नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती है।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि आपकी जिज्ञासा, ऊर्जा और मुस्कान विद्यालय की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने कहा कि आप किसी भी क्षेत्र में सफल हों, परंतु साथ ही अच्छे और जिम्मेदार नागरिक भी बनें, जिन पर समाज को गर्व हो। उन्होंने कहा कि विद्यालय का दायित्व है कि वह विद्यार्थियों को केवल सिलेबस तक सीमित न रखें, बल्कि उनमें अनुशासन, नैतिक मूल्य, सकारात्मक सोच, संस्कृति के प्रति प्रेम भी विकसित करें।

सरदार @150 पदयात्रा

यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और सेवा–भावना का प्रेरक प्रतीक : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन के मुख्य द्वार से ओटीसी ग्राउंड तक सरदार @150 पदयात्रा (यूनिटी मार्च– एक भारत, आत्मनिर्भर भारत) में सम्मिलित होकर प्रतिभागियों के मनोबल को बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी व आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री 'लौहपुरुष' भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और सेवा–भावना का प्रेरक प्रतीक है। उन्होंने इस पदयात्रा में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सरदार पटेल जी ने भारत की 562 रियासतों का विलय कर जिस अखंड भारत की नींव रखी, वह उनकी अद्वितीय दूरदृष्टि, साहस और राष्ट्र निष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा MY Bharat द्वारा सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्षगांठ को एक जन–आंदोलन का स्वरूप दिया जाना अत्यंत सराहनीय पहल है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि सरदार पटेल के आदर्शों को हम केवल स्मरण ही न करें, बल्कि उन्हें अपने आचरण, कर्तव्यों और जीवन–मूल्यों में आत्मसात करें।

झारखण्ड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ

विधानसभा जनता की अपेक्षाओं और विश्वास का सजीव केन्द्र : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ (रजत समारोह) पर झारखण्ड विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में झारखण्ड राज्य के गठन हेतु पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और महत्वपूर्ण योगदान का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्व में 'बिहार राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000' के अंतर्गत झारखंड राज्य का गठन हुआ था। उन्होंने जन–आकांक्षाओं और क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि 'उस समय मैं केन्द्रीय मंत्रिपरिषद का सदस्य था और लोकसभा सदस्य के रूप में राज्य गठन के पक्ष में मत देकर इस महत्वपूर्ण निर्णय में अपना योगदान दिया था।'

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसकी जड़ें हमारी प्राचीन सभ्यता और विचारधारा में निहित हैं। वैशाली को विश्व का प्रथम गणतांत्रिक गणराज्य माना जाता है, जहां यह विचार जन्मा कि शासन जनता की इच्छा, जनता के हित में और उनकी सहभागिता से संचालित हो। आज भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और सशक्तता पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र में जनता द्वारा चुने गए विधायक न केवल राज्य में कानून–निर्माण प्रक्रिया के महत्वपूर्ण अंग होते हैं, बल्कि वे जनता और सरकार के बीच एक सशक्त सेतु की भूमिका भी निभाते हैं। यह पावन स्थल राज्य के विकास की दिशा निर्धारित करता है, जनता की आकांक्षाओं को स्वर देता है और लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि विधान सभा का सत्र केवल बहस का मंच नहीं होता, यह नीति–निर्धारण का मुख्य केंद्र है तथा जनता की अपेक्षाओं, विश्वास और आशाओं का सजीव प्रतिबिंब भी है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विधायक व जन–प्रतिनिधि का सबसे बड़ा दायित्व जनता के विश्वास को बनाए रखना है। जनता द्वारा दिया गया अधिकार सेवा का अवसर है, सत्ता का साधन नहीं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि विधायकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विधान सभा की गरिमा बनाए रखना, स्वस्थ और सार्थक बहस करना तथा संविधान की मर्यादाओं का पालन करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का पवित्र कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र स्वस्थ चर्चा से मजबूत होता है, टकराव से नहीं। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों का उद्देश्य जन–कल्याण और राज्य का विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपेक्षा है कि विधायक स्वस्थ, तथ्यपूर्ण, शालीन और रचनात्मक संवाद की संस्कृति को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि जब जन–प्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हैं, तब जनता का विश्वास सुदृढ़ होता है और राज्य के विकास की गति भी तेज होती है। जनता ने जिन अपेक्षाओं और विश्वास के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुना है, उसका सम्मान करते हुए शालीन व्यवहार, विकास कार्यों की निगरानी और जनसरोकार के साथ कार्य करने हेतु सक्रिय रहना चाहिए। ऐसा होने पर विधान सभा एक आदर्श लोकतांत्रिक संस्थान के रूप में निरंतर सशक्त होती है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, उद्योग, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में अनेक चुनौतियां एवं अवसर भी मौजूद हैं। इन सभी क्षेत्रों में प्रगति सुनिश्चित करने में झारखण्ड विधानसभा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में झारखण्ड विधानसभा और अधिक पारदर्शी, संवादपरक और जनता की आकांक्षाओं को पूर्ण करने में और भी प्रभावी भूमिका निभाएगी। उन्होंने सभी से झारखण्ड को राजनीतिक रूप से सशक्त, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से समरस बनाने की दिशा में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से लोक भवन, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से मुख्यमंत्री आवास, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी से शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल ने माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती एवं परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद लांसनायक अल्बर्ट एक्का की पुण्यतिथि के अवसर पर लोक भवन में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष माननीया श्रीमती विजया रहाटकर जी ने लोक भवन, रांची में शिष्टाचार भेंट की।

नगालैंड एवं असम राज्य स्थापना दिवस समारोह

दोनों राज्य पूर्वोत्तर भारत के अत्यंत सुंदर एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदेशः राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में आयोजित नगालैंड एवं असम राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नगालैंड का स्थापना दिवस 1 दिसंबर तथा असम का स्थापना दिवस 2 दिसंबर को था। उन्होंने कहा कि राज्य से बाहर रहने के कारण इन तिथियों पर कार्यक्रम आयोजित नहीं हो सका, इसलिए लोक भवन, झारखण्ड द्वारा दोनों राज्यों का स्थापना दिवस संयुक्त रूप से मनाया जा रहा है।

राज्यपाल महोदय ने झारखण्ड में निवासरत नगालैंड और असम के नागरिकों से कहा कि आप सभी अपने कठिन परिश्रम, समर्पण और प्रतिभा से झारखण्ड के विकास में निरंतर योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों राज्य पूर्वोत्तर भारत के अत्यंत सुंदर एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदेश हैं, जिनकी पहचान केवल प्राकृतिक सौंदर्य से नहीं, बल्कि कला, संस्कृति, परंपरा और लोगों की सरलता से भी होती है। राज्यपाल महोदय ने पूर्वोत्तर भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि इन राज्यों ने देश के विकास, सुरक्षा, सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यावरणीय संतुलन में विशिष्ट तथा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह क्षेत्र भारत का सामरिक रूप से महत्वपूर्ण द्वार है, जहां विविध जनजातियां, भाषाएं और परंपराएं मिलकर एक सुंदर सांस्कृतिक इंद्रधनुष निर्मित करती हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों, जैव–विविधता, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प, संगीत–नृत्य और पर्यटन की अपार संभावनाओं के साथ पूर्वोत्तर भारत हमारे राष्ट्र की ऊर्जा, सामर्थ्य और सांस्कृतिक वैभव का अमूल्य स्रोत है। यहां के लोग अपनी मेहनत, आत्म–सम्मान, देशभक्ति और शांतिप्रिय स्वभाव के लिए जाने जाते हैं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर निरंजन कुमार (रि.), अपर निदेशक, सैनिक कल्याण निदेशालय कर्नल एस.पी. गुप्ता, राज्य प्रबंधक, सैनिक बाजार ले. कर्नल पी.के. झा एवं अन्य ने लोक भवन में भेंट कर उन्हें 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' का बैज लगाया। राज्यपाल महोदय ने देश के सभी वीर जवानों के शौर्य एवं बलिदान के प्रति श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हुए 'सशस्त्र झंडा दिवस कोष' में अपना योगदान दिया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने लोक भवन में भेंट की। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें सदैव अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु तत्पर रहने का संदेश दिया।

स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का माध्यम : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गूंज परिवार द्वारा सोनाहातु, रांची में झारखण्ड आंदोलन के महानायक एवं समाज सुधारक स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जी का जीवन झारखण्ड की अस्मिता, संघर्ष, स्वाभिमान और सामाजिक चेतना का प्रतीक है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जी केवल एक जननेता ही नहीं, बल्कि प्रखर शिक्षाविद, संवेदनशील अधिवक्ता और शोषित–वंचित समाज की आवाज थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम मानते हुए उन्होंने झारखंड आंदोलन को वैचारिक दिशा प्रदान की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड राज्य के गठन के लिए स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जैसे तपस्वी व्यक्तित्वों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनकी स्मृति में स्थापित यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष, आत्मसम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देती रहेगी तथा युवाओं को अपने समाज और राज्य के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देगी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उन्हें हर्ष है कि गूंज परिवार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित 'गूंज महोत्सव' समाज को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक मंच है, जो विविध पृष्ठभूमियों के लोगों को एकता, सद्भाव और सौहार्द के सूत्र में बांधता है।

प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता

शारीरिक व मानसिक विकास में खेलों की अहम भूमिका : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने सरस्वती विद्या मंदिर, रतनपुर, टुंडी, धनबाद में आयोजित प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए बच्चों का खेल भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करना अत्यन्त सुखद है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि खेलकूद जीवन के मूल्यों का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि खेल भावना अनुशासन, हार को सहजता से स्वीकार करना और जीत को विनम्रता के साथ आत्मसात करना सिखाती है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि वनवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार अनेक चुनौतियों से भरा रहा है। उन्होंने कहा कि 18 दिसंबर से प्रारंभ इस प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता में लगभग 500 प्रतिभागियों की सहभागिता यह दर्शाती है कि यहां बच्चों में खेलों के प्रति उत्साह और आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प निरंतर सशक्त हो रहा है। ऐसे आयोजन प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड की मिट्टी में संघर्ष, परिश्रम और समर्पण की भावना स्वाभाविक रूप से समाहित है। आवश्यकता है कि विद्यालय स्तर से ही बच्चों में खेलों के प्रति अभिरुचि को प्रोत्साहित किया जाए तथा उन्हें उचित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराए जाएं। ।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग का 10वां दीक्षांत समारोह

विचार, चरित्र और चेतना के केंद्र हैं विश्वविद्यालय : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के 10वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्रदान करने का औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन, धैर्य और निरंतर साधना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थियों के जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय की पूर्णता और नए अध्याय की शुरुआत है। विश्वविद्यालय से प्राप्त ज्ञान, मूल्य बोध और संस्कारों का उपयोग अब समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में करना विद्यार्थियों का दायित्व है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय भू–दान के प्रणेता संत विनोबा भावे के नाम पर स्थापित है, जिन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को समाज सुधार और भू–दान यज्ञ जैसे महान कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। उनके विचारों और उनके द्वारा किये गए कार्यों ने समाज को एक नई दिशा दी। विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि वे अपने आचरण और कर्म से इन मूल्यों को जीवंत बनाए रखें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका अर्जन नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक का निर्माण करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से 'विकसित भारत @2047' तथा 'आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत' के निर्माण में ईमानदारी, परिश्रम और नैतिकता के साथ योगदान देने का आह्वान किया।

क्रिसमस मिलन महोत्सव

सच्ची खुशी दूसरों की सेवा में निहित : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने संत जेवियर्स कॉलेज, रांची में आयोजित 'क्रिसमस मिलन महोत्सव' में भाग लेते हुए उपस्थित सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि क्रिसमस प्रेम, शांति, भाईचारे और मानवता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रभु ईसा मसीह का संपूर्ण जीवन आपसी प्रेम, क्षमा और सेवा की भावना को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। क्रिसमस का पर्व संदेश देता है कि सच्ची खुशी दूसरों की सेवा और उनके प्रति करुणा में निहित है।

राज्यपाल महोदय ने महाविद्यालय की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संस्थान की प्रतिष्ठा को बढ़ाने में यहां के समर्पित शिक्षाविदों का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। डी. ब्रावर तथा प्रो. ए. के. सिन्हा जैसे शिक्षाविद अपनी सादगी और विद्यार्थियों के प्रति आत्मीयता के लिए आज भी स्मरण किए जाते हैं। उन्होंने फादर कामिल बुल्के द्वारा रचित हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश को हिंदी भाषा की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि दूसरे देश के होते हुए भी हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रति उनका समर्पण प्रेरणास्पद है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में शिक्षा को भारतीय मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे युवा वर्ग संवेदनशील नागरिक के रूप में विकसित हो सके।

श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर का दीक्षांत समारोह

आत्मनिर्भरता से जुड़ी शिक्षा का महत्व : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन और संकल्प का भी प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व को भी अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य में स्थापित निजी विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की जाती है कि वे यूजीसी द्वारा निर्धारित मापदंडों का पूर्णतः पालन करें। उन्होंने विश्वविद्यालय से सक्रिय एवं प्रभावी प्लेसमेंट व्यवस्था विकसित करने पर भी बल दिया, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार प्राप्त हो सकें।

राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय को सामाजिक दायित्वों के निर्वहन, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को सहयोग करने तथा आसपास के क्षेत्रों के विकास में सहभागिता पर बल दिया। उन्होंने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' के उद्देश्यों को आत्मसात करते हुए नवाचार, कौशल और आत्मनिर्भरता से जुड़ी शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने महान स्वतंत्रता सेनानी व आधुनिक भारत के शिल्पकार तथा भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर लोक भवन में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सरदार पटेल जी ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और रियासतों के एकीकरण के माध्यम से आधुनिक भारत की सुदृढ़ नींव रखी। माननीय राज्यपाल ने इस अवसर पर समस्त राज्यवासियों को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर लोक भवन स्थित दरबार हॉल में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी के दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई। उनके आदर्श एवं विचार सदैव सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे।

वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन

एन.सी.सी. राष्ट्र प्रथम की भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिरसा मुंडा संग्रहालय में आयोजित 'वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन के फ्लैग–ऑफ समारोह' को संबोधित करते हुए कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित यह साइक्लोथॉन केवल एक साइकिलिंग अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, युवा शक्ति, साहस और जनजातीय गौरव का सशक्त प्रतीक है। राज्यपाल महोदय ने एनसीसी बिहार–झारखण्ड निदेशालय, आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों, प्रशिक्षकों तथा विशेष रूप से एनसीसी कैडेट्स को इस प्रेरणादायी आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज का युवा केवल भविष्य का कर्णधार ही नहीं, बल्कि वर्तमान का सशक्त आधार भी है। माननीय राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे केवल जनजातीय समाज के नायक नहीं थे, बल्कि अन्याय, शोषण और औपनिवेशिक दमन के विरुद्ध भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को हर वर्ष पूरे देश में 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उनका झुकाव भी सैन्य सेवा की ओर था, लेकिन आपातकाल के दौरान जेल गये और फिर सक्रिय राजनीति में प्रवेश कर गये। एनसीसी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनसीसी से जुड़कर अनुशासन, नेतृत्व, देशभक्ति और सेवा–भाव जैसे मूल्य विकसित होते हैं, जो जीवन भर मार्गदर्शन करते हैं। एनसीसी वास्तव में राष्ट्र प्रथम की भावना को व्यवहार में उतारने का सशक्त माध्यम है।

माननीया राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के रांची पहुंचने पर माननीय राज्यपाल ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

माननीया राष्ट्रपति महोदया का लोक भवन, रांची पहुंचने पर स्वागत करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय।

22वें परसी महा एवं ओल चिकी लिपि के शताब्दी समारोह के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

समावेशी राष्ट्र निर्माण की भावना का महोत्सव : राज्यपाल

माननीया राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में जमशेदपुर में आयोजित 22वें परसी महा एवं ओल चिकी लिपि के शताब्दी समारोह के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जनजातीय समाज की भाषा, संस्कृति, कला और अस्मिता का सजीव उत्सव है।

उन्होंने कहा कि 'परसी महा' अथवा 'भाषा महोत्सव' संथाली भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक चेतना के उत्सव का प्रतीक है। यह महोत्सव हमारी लोक–संस्कृति, लोक–स्मृति और सामुदायिक एकता का उत्सव है, जो पीढ़ियों से हमारी पहचान को जीवित रखे हुए है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार द्वारा वर्ष 2003 में 92वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से संथाली भाषा को भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित किया गया था। यह निर्णय संथाली भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि था। आज जब ओल चिकी लिपि के शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाया जा रहा है, तो यह अवसर महान समाज सुधारक पंडित रघुनाथ मुर्मू के अतुलनीय योगदान का स्मरण कराता है। उन्होंने व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर समाज, भाषा और संस्कृति के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका जीवन यह संदेश देता है कि दृढ़ संकल्प और सच्चे उद्देश्य के साथ किया गया प्रयास असंभव को भी संभव बना सकता है।

एन.आई.टी. जमशेदपुर का 15वां दीक्षांत समारोह

ज्ञान तभी सार्थक, जब नवाचार से जुड़े : राज्यपाल

एन.आई.टी. जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि तकनीकी दक्षता के साथ–साथ नैतिकता, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्य आपके व्यक्तित्व की आधारशिला होने चाहिए। तकनीक तभी सार्थक है, जब वह मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाए। मुझे विश्वास है कि आप नवाचार को करुणा, उत्तरदायित्व और सामाजिक चेतना के साथ जोड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। डिजिटल वित्तीय लेन–देन के क्षेत्र में भी हमारा देश विश्व में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत@2047' की दिशा में एक स्पष्ट, दूरदर्शी और प्रेरक संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में हमारे तकनीकी संस्थानों, वैज्ञानिकों तथा युवा अभियंताओं की भूमिका अत्यंत निर्णायक होगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि एन.आई.टी. जमशेदपुर के प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी ज्ञान–संपदा, नवाचारी दृष्टि और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण के बल पर इस संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह समाज और राष्ट्र के कल्याण में प्रयुक्त हो। आप जहां भी कार्य करें, जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि और एन.आई.टी. जमशेदपुर की गौरवशाली परंपरा को अपने आचरण में जीवित रखें।

अंतर्राज्यीय जन सांस्कृतिक समागम सह कार्तिक जतरा

परंपरा व स्वाभिमान की प्रतीक गुमला की धरती : राज्यपाल

माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी की गरिमामयी उपस्थिति में गुमला में आयोजित 'अंतर्राज्यीय जन सांस्कृतिक समागम सह कार्तिक जतरा' के अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गुमला की धरती केवल संस्कृति और परंपरा की ही नहीं, बल्कि साहस, संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की भी प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि माननीया राष्ट्रपति महोदया का यह प्रवास राज्य के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है।

राज्यपाल महोदय ने इस पावन अवसर पर माननीया राष्ट्रपति महोदया का झारखण्ड की वीर और जनजातीय परंपराओं से समृद्ध भूमि पर आगमन हेतु हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल एवं छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री तथा विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों व संस्कृति प्रेमियों का भी स्वागत किया।

माननीय राज्यपाल ने माननीया राष्ट्रपति महोदया के लोक भवन, रांची से प्रस्थान के क्रम में उनसे शिष्टाचार भेंट कर स्मृति–चिह्न प्रदान किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से माननीय केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास अठावले ने लोक भवन, रांची में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने देवघर स्थित देवनगरी बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलाभिषेक कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की तथा समस्त राज्यवासियों की सुख–समृद्धि व खुशहाली की प्रार्थना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने दुमका स्थित बाबा बासुकीनाथ मंदिर में विधि–विधान से पूजा–अर्चना की तथा समस्त राज्यवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

'केरल फेस्ट' समारोह

उत्सव सांस्कृतिक सौहार्द और संवाद का माध्यम : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने मलयाली एसोसिएशन, रांची द्वारा कैराली स्कूल में आयोजित 'केरल फेस्ट' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केरल केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि ज्ञान, दर्शन, संस्कृति और मानवीय मूल्यों की जीवंत भूमि है। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य जैसी महान विभूति की जन्मभूमि केरल ने अद्वैत वेदांत के माध्यम से सम्पूर्ण भारत को आध्यात्मिक रूप से एक सूत्र में बांधने का कार्य किया है। यह परंपरा भारत की सांस्कृतिक एकता का सशक्त प्रतीक है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि 'ईश्वर का अपना देश' कहलाने वाला केरल अपने अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के साथ–साथ शिक्षा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों के लिए भी देशभर में विशिष्ट पहचान रखता है। केरल की भाषा, साहित्य, संगीत और कलाओं ने भारतीय संस्कृति को निरंतर समृद्ध किया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखंड–बिहार क्षेत्र में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर 'केरल फेस्ट' का आयोजन किया गया, जिसमें केरल से कलाकारों की सहभागिता रही। ऐसे आयोजन विभिन्न संस्कृतियों के बीच आपसी समझ को मजबूत करते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि केरल की पहचान उसकी उच्च साक्षरता, सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था और सामाजिक जागरूकता से भी जुड़ी है, जिसने राज्य को मानव विकास के कई मानकों पर अग्रणी बनाया है।

सैनिक कल्याण निदेशालय की प्रबंध कमिटी की बैठक

पूर्व सैनिकों तथा शहीदों के आश्रितों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में लोक भवन में सैनिक कल्याण निदेशालय की 17वीं प्रबंध कमिटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यपाल महोदय ने कहा कि पूर्व सैनिकों तथा शहीदों के आश्रितों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और उनके कल्याण से जुड़े विषयों पर प्रत्येक परिस्थिति में संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने दीपाटोली स्थित झारखण्ड युद्ध स्मारक को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के निदेश दिए।

उक्त अवसर पर राज्य में एक और सैनिक विद्यालय खोलने पर भी गहन विचार–विमर्श हुआ। सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा सैनिक विद्यालय गोड्डा में खोलने का प्रस्ताव रखा गया। इसके अतिरिक्त, देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता राशि में वृद्धि किए जाने पर भी विमर्श किया गया। बैठक में राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य के कितने अग्निवीर सेवा से वापस आए हैं, इसका समुचित आकलन किया जाना चाहिए। उन्होंने निदेश दिया कि इन अग्निवीरों को राज्य पुलिस बल सहित अन्य सुरक्षा एवं सेवा क्षेत्रों में अवसर प्रदान करने की संभावनाओं पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाए।

राष्ट्रीय युवा उत्सव–2026 के चयनित प्रतिभागियों से संवाद

सकारात्मक दृष्टिकोण रखें, राष्ट्रहित सर्वोपरि : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'राष्ट्रीय युवा उत्सव–2026' के लिए झारखण्ड से चयनित प्रतिभागियों से संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई देते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वहां से विजेता बन कर लौटने के पश्चात लोक भवन में उनका पुनः स्वागत किया जाएगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि चयनित युवा केवल स्वयं का नहीं, बल्कि झारखण्ड राज्य की प्रतिभा, संस्कृति और आत्मविश्वास का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। विभिन्न स्तरों की चयन प्रक्रिया से गुजरकर यहां तक पहुंचना अपने–आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ–साथ उनके मार्गदर्शकों एवं प्रशिक्षकों के योगदान की भी सराहना की। माननीय राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय युवा उत्सव केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विचार, संस्कार और संवाद का राष्ट्रीय संगम है, जहां देश के विभिन्न राज्यों के युवा एक–दूसरे से सीखते हैं और भारत की विविधता को निकट से अनुभव करते हैं। यह 'विविधता में एकता' की जीवंत झलक प्रस्तुत करता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के विचार– उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए का उल्लेख करते हुए कहा कि यही इस उत्सव की आत्मा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत@2047 का सपना युवाओं की सोच, संकल्प और कर्म से ही साकार होगा।

माननीय राज्यपाल ने माननीय न्यायमूर्ति श्री एम.एस सोनक को झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन स्थित बिरसा मंडप में माननीय न्यायमूर्ति श्री एम.एस सोनक को झारखण्ड राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल महोदय ने माननीय मुख्य न्यायाधीश को शपथ ग्रहण के उपरांत हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

इससे पूर्व राज्य के मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार ने माननीय न्यायमूर्ति श्री एम.एस सोनक का झारखण्ड राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति संबंधी वारंट को पढ़ा। तत्पश्चात राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी द्वारा माननीय मुख्य न्यायाधीश को शपथ ग्रहण हेतु आमंत्रित किया गया।

उक्त अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्र नाथ महतो, केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, राज्य के माननीय मंत्रीगण, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, झारखण्ड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशगण, पूर्व न्यायाधीशगण, भारतीय प्रशासनिक व पुलिस सेवा के वरीय अधिकारीगण तथा झारखण्ड उच्च न्यायालय के पदाधिकारीगण व वरीय अधिवक्तागण उपस्थित थे।

लोक भवन, रांची में आयोजित'रक्तदान शिविर' में 406 लोगों ने किया रक्तदान

जन आंदोलन बने रक्तदान : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार के निदेश पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, झारखण्ड शाखा द्वारा युगपुरुष एवं महान दार्शनिक स्वामी विवेकानंद जी की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर लोक भवन, रांची स्थित बिरसा मंडप में 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया गया। राज्यपाल महोदय ने 'रक्तदान शिविर' के उद्घाटन से पूर्व युगपुरुष स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा–सुमन अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं तथा मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है।

माननीय राज्यपाल ने रक्तदान को सर्वोच्च मानवीय एवं पुनीत कार्य बताते हुए कहा कि समय पर रक्त उपलब्ध न होने के कारण अनेक बार बहुमूल्य जीवन संकट में पड़ जाता है। ऐसे में रक्तदान जैसे सेवा–कार्य को जन–आंदोलन का रूप देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि राज्य में प्रत्येक रक्त समूह की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा वर्षों से सुषुप्त एवं निष्क्रिय झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी को सक्रिय एवं प्रभावी स्वरूप प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं और अपेक्षा है कि यह संस्था समाज में सेवा, विश्वास और संवेदनशीलता की सशक्त मिसाल प्रस्तुत करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि शीघ्र ही राज्य के विश्वविद्यालयों

एवं महाविद्यालयों में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

राज्यपाल महोदय ने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे रक्तदान को एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन भर की जिम्मेदारी के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक स्वस्थ युवा वर्ष में तीन बार भी रक्तदान करे, तो राज्य में रक्त की कोई कमी नहीं रहेगी तथा इससे किसी प्रकार की असुविधा भी नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पड़ोसी देशों में अंगदान को व्यापक स्तर पर अपनाया गया है; अतः रक्तदान को लेकर किसी भी प्रकार का संकोच न करते हुए इस दिशा में और अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है। माननीय राज्यपाल ने यह भी उल्लेख किया कि वे स्वयं भी पूर्व में नियमित रूप से रक्तदान करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय सहभागिता से ही माननीय प्रधानमंत्री जी के 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को साकार किया जा सकता है और सेवा–भाव से किया गया रक्तदान इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्यपाल महोदय ने 'रक्तदान शिविर' के आयोजन के लिए झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी, स्वयंसेवकों, चिकित्सकों, विद्यार्थियों एवं सभी सहयोगी संस्थाओं की सराहना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन समाज में सेवा और संवेदनशीलता का सशक्त संदेश देगा। उन्होंने सभी से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि झारखण्ड में कोई भी व्यक्ति रक्त के अभाव में अपना जीवन न खोए। उन्होंने आज लोक भवन में आयोजित इस शिविर में रक्तदान करने वाले सभी 406 लोगों को हार्दिक बधाई दी तथा उनका आभार प्रकट किया।

स्वागत संबोधन करते हुए राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि राज्यपाल महोदय के निदेश पर झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी का प्रभावी रूप से गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिक से अधिक रक्तदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह 'रक्तदान शिविर' आयोजित किया गया है। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित इस शिविर में युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर कार्यक्रम

राष्ट्र के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ें युवा : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोरहाबादी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में युवाओं से स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दिन केवल स्मरण का नहीं, बल्कि संकल्प लेने का भी अवसर है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने वेदांत, योग और कर्मयोग के माध्यम से भारत की आध्यात्मिक चेतना को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत हैं। उन्होंने शिक्षा को समाज की रीढ़ बताते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ऐसी शिक्षा के पक्षधर थे, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और चरित्रवान बनाए। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' की भावना का सजीव उदाहरण है। ऐसे आयोजन समाज को दिशा देते हैं और युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। माननीय राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन को उन्होंने केवल एक संवैधानिक संस्था तक सीमित न रखकर, जनता की आशाओं और विश्वासों का केंद्र बनाने का प्रयास किया है। राज्यहित में लोक भवन के द्वार राज्य के सभी नागरिकों के लिए सदैव खुले हैं।

इस अवसर पर यह उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर लोक भवन, रांची में 'रक्तदान महायज्ञ' का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जीवनदान है और किसी अनजान व्यक्ति के लिए दिया गया रक्त किसी परिवार की खुशियों को बचा सकता है।

राज्यपाल महोदय ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद जी के संदेश उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको को आत्मसात करते हुए सेवा–भाव, परिश्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ें तथा उनके विचारों को अपने आचरण में उतारकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने रामकृष्ण मिशन द्वारा आयोजित 55वीं 'Rebuild Competition – नया भारत गढ़ो' की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से हजारों युवाओं की सहभागिता झारखण्ड के युवाओं की चेतना और राष्ट्र–भावना का प्रमाण है।

प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व टुसू : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने मोरहाबादी में आयोजित 'टुसू महोत्सव' के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि टुसू पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि लोक–परंपराओं, सामूहिक श्रम–संस्कृति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व प्रकृति और मानव जीवन के बीच स्थापित आत्मीय संबंध को लोक–आस्था के माध्यम से अभिव्यक्त करता है तथा कृषि समाज के उल्लास और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि टुसू पर्व झारखण्ड की लोक–चेतना का प्रतिनिधित्व करता है और यह संदेश देता है कि हमारी परंपराएं केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान को दिशा देने वाली जीवन–दृष्टि भी हैं। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं तथा सामाजिक समरसता और सौहार्द की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी के 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक विविधता और लोक–परंपराओं में निहित है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड के राज्यपाल के पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों के सुदूरवर्ती ग्रामों का भ्रमण कर वहां के नागरिकों से संवाद किया तथा उन्होंने कहा कि हर्ष है की बात है कि राज्य की महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक–सामाजिक रूप सशक्त हो रही हैं और अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर सजग हैं।

'मारवाड़ महोत्सव–2026'

उद्यमशीलता इस समाज की विशिष्ट पहचान : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने मारवाड़ी भवन, हरमू रोड, रांची में झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति द्वारा आयोजित त्रि–दिवसीय 'मारवाड़ महोत्सव–2026' के उद्घाटन समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि राजस्थान एवं मारवाड़ी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक एवं पारंपरिक विरासत को झारखण्ड की पावन धरती पर जीवंत रूप में प्रस्तुत करने का एक सराहनीय प्रयास है। ऐसे आयोजन हमारी विविधतापूर्ण सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि महोत्सव के अंतर्गत पारंपरिक लोक नृत्य, लोक संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारंपरिक व्यंजन, हस्तशिल्प प्रदर्शनी एवं विविध प्रतिस्पर्धात्मक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जो सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द एवं सांस्कृतिक विविधता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। राज्यपाल महोदय ने मारवाड़ी समाज के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि परोपकार, सेवा–भावना, अनुशासन, श्रम, ईमानदारी और उद्यमशीलता इस समाज की विशिष्ट पहचान रही है। व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में मारवाड़ी समाज ने देश के सामाजिक–आर्थिक विकास में सदैव महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जहां भी यह समाज रहा, वहां स्थानीय संस्कृति के साथ आत्मीय समन्वय स्थापित किया।

रक्षा सम्पदा उप–कार्यालय के नवीन कार्यालय का उद्घाटन

समयबद्ध भूमि प्रबंधन की ओर प्रभावी कदम : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने रांची में रक्षा सम्पदा उप–कार्यालय के नवीन कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रांची में रक्षा सम्पदा उप–कार्यालय की स्थापना झारखण्ड राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी निर्णय है, जिससे राज्य में रक्षा भूमि प्रबंधन को अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं समयबद्ध बनाया जा सकेगा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि पूर्व में झारखण्ड राज्य के सभी जिलों एवं सैन्य स्टेशनों की रक्षा भूमि का प्रबंधन बिहार के दानापुर से किया जा रहा था। व्यापक क्षेत्राधिकार एवं भौगोलिक दूरी को ध्यान में रखते हुए रांची में उप–कार्यालय की स्थापना से अब रक्षा भूमि से संबंधित मामलों में स्थानीय स्तर पर त्वरित, सरल एवं प्रभावी समाधान संभव हो सकेगा।

राज्यपाल महोदय ने भारतीय सैनिकों के पराक्रम, साहस और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि हमारे सैनिक न केवल सीमाओं की रक्षा करते हैं, बल्कि आपदा के समय भी समर्पण भाव से सहायता के लिए आगे आते हैं। उनका जीवन 'नेशन फर्स्ट' की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब हम चैन की नींद सोते हैं, तब हमारे सैनिक सीमाओं पर जागते रहते हैं। वे विषम भौगोलिक एवं मौसमीय परिस्थितियों में, अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख–सुविधाओं का त्याग कर, देश की रक्षा में सदैव तत्पर रहते हैं। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण विश्व में अद्वितीय है।

उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर एवं मेघालय का राज्य स्थापना दिवस समारोह

संवाद एवं आपसी समझ को बढ़ावा देते हैं ऐसे आयोजन : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन, रांची में सामूहिक रूप से आयोजित उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर एवं मेघालय के 'राज्य स्थापना दिवस समारोह' को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास एवं आध्यात्मिक चेतना के लिए विश्वविख्यात है। वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज एवं मथुरा जैसे पावन स्थल न केवल भारत, बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिए आस्था और सांस्कृतिक चेतना के प्रमुख केंद्र हैं।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि पूर्वोत्तर के त्रिपुरा, मणिपुर एवं मेघालय राज्य अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपराओं, कला एवं प्राकृतिक सौंदर्य के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध करते हैं। उन्होंने कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम राज्यों के मध्य आपसी समझ, संवाद और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है तथा यह आयोजन उसी भावना को साकार करता है। उन्होंने इन राज्यों के नागरिकों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके निरंतर विकास, समृद्धि और प्रगति की कामना की। उक्त अवसर पर मणिपुर के माननीय राज्यपाल श्री अजय कुमार भल्ला एवं मेघालय के माननीय राज्यपाल श्री सी. एच. विजयशंकर के वीडियो संदेश का प्रसारण भी किया गया। इसके पश्चात आगामी 25 जनवरी को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी लोगों को मतदाता शपथ दिलाई गई।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय बैंड प्रतियोगिता में झारखंड के विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए राज्य के लिए गौरव का विषय बताया है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि पाइप बैंड प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कांके तथा बालक वर्ग में कैराली स्कूल, सेक्टर–II की टीम द्वारा विजेता बनकर राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया जाना अत्यंत प्रशंसनीय है। वहीं ,ब्रास बैंड (बालक वर्ग)में संत जेवियर हाई स्कूल, लुपुंगुटू, चाईबासा द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करना भी झारखंड की प्रतिभा का सशक्त प्रमाण है। माननीय राज्यपाल ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सभी विद्यार्थियों एवं उनके मार्गदर्शकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

77वें गणतंत्र दिवस की कुछ झलकियां

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राँची स्थित मोरहाबादी मैदान में झंडोत्तोलन किया एवं परेड की सलामी ली।

माननीय राज्यपाल ने राज्य के लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में कार्य करने को प्रेरित किया ।

माननीय राज्यपाल ने उपस्थित सभा को संबोधित किया एवं सैन्य अधिकारियों को भी सम्मानित किया।

77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर शहीद चौक, राँची स्थित शहीद स्थल–सह–स्मारक में झंडोत्तोलन तथा अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते माननीय राज्यपाल महोदय।

'सामूहिक बैंड डिस्प्ले' एवं 'एट होम' कार्यक्रम

गणतंत्र दिवस समारोह–2026 के उपलक्ष्य में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन, रांची में 'सामूहिक बैंड डिस्प्ले' एवं 'एट होम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्रनाथ महतो, पुलिस महानिदेशक, पद्म पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तिगण, वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस अधिकारीगण एवं सैन्य अधिकारीगण तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

समारोह में 11वीं बटालियन राजपूताना राइफल्स, 6/8 जी.आर., जैप–1, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, रांची एवं विवेकानंद विद्या मंदिर, रांची की बैंड टीमों द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक बैंड डिस्प्ले प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय द्वारा मोरहाबादी मैदान में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह–2026 के अंतर्गत प्रदर्शित झांकियों, परेड एवं बैंड प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विदित हो कि मोरहाबादी मैदान में आयोजित झांकी में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को प्रथम, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को द्वितीय तथा वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वहीं परेड में केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) को प्रथम, सेना को द्वितीय तथा एन.सी.सी. (महिला) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं बैंड में जैप–1 को प्रथम, सेना को द्वितीय एवं जैप–10 (महिला) को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

International Conference of EMSI

प्रकृति और मानव का संबंध सदियों पुराना : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने जमशेदपुर को–ऑपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर के तत्वावधान में XLRI, जमशेदपुर में Environmental Mutagenesis and Epigenomics in Relation to Human Health विषय पर आयोजित तीन दिवसीय International Conference of EMSI (Environmental Mutagen Society of India) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य का संबंध अत्यंत गहरा एवं संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि आज औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, प्रदूषण एवं बदलती जीवन–शैली के कारण मानव स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। हवा, पानी, मिट्टी और भोजन के माध्यम से हो रहे प्रदूषण का मानव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिससे आनुवांशिक एवं स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं बढ़ रही हैं। राज्यपाल महोदय ने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन केवल समस्याओं तक सीमित न रहकर उनके व्यावहारिक और प्रभावी समाधानों पर भी गंभीर विमर्श करेगा। ऐसे सम्मेलनों के निष्कर्ष समाज के लिए उपयोगी और व्यावहारिक होने चाहिए। साथ ही उन्होंने वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं से अपने ज्ञान और अनुसंधान को समाज के व्यापक हित से जोड़ने का आह्वान किया। माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में वे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं शोध के उन्नत के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि झारखण्ड के विश्वविद्यालय देश के अग्रणी संस्थानों में स्थान बनाएं और देशभर के विद्यार्थी यहां अध्ययन के लिए उत्सुक हों।

झारखण्ड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो–2026

खनन के साथ पर्यावरण संरक्षण महत्वपूर्ण : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने प्रभात तारा मैदान, धुर्वा, रांची में आयोजित द्वितीय संस्करण झारखण्ड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो–2026 के उद्घाटन अवसर पर कहा कि झारखंड प्राकृतिक एवं खनिज संसाधनों से अत्यन्त समृद्ध राज्य है और देश के खनन क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि देश के कुल खनिज संसाधनों का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा झारखण्ड में पाया जाता है, जिससे राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो–2026 केवल खनन गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरदायी एवं तकनीक आधारित खनन संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, श्रम–कल्याण, अधोसंरचना विकास, निवेश संवर्धन तथा रोजगार सृजन जैसे समकालीन विषयों को भी समाहित करता है। उन्होंने विकास और पर्यावरण, उद्योग और श्रमिक हित तथा आर्थिक प्रगति और सामाजिक संतुलन के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र का भविष्य सतत विकास, पारदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित होना चाहिए। श्रमिकों की सुरक्षा, उनके कल्याण, कौशल विकास और सम्मानजनक जीवन–स्तर सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। साथ ही, कंपनियों को कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) के अंतर्गत जन–कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

ICRTCST-26

विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार से समावेशी विकास : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित 'छठे IEEE अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन – ICRTCST-26' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'लौहनगरी' जमशेदपुर केवल एक औद्योगिक नगर ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी औद्योगिक सोच, नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्व की मिसाल के रूप में भी देश-विदेश में अपनी पहचान रखता है। इस गौरवशाली परंपरा की नींव टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी नुसरवानजी टाटा ने रखी, जिन्होंने उद्योग को केवल लाभ का साधन न मानकर राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा का प्रभावी माध्यम बनाया। शिक्षा, अनुसंधान, तकनीक और मानव कल्याण के क्षेत्र में टाटा समूह का योगदान आज भी प्रेरणास्रोत है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड राज्य अपनी प्राकृतिक एवं खनिज संपदा, सांस्कृतिक विविधता और युवा प्रतिभा के लिए जाना जाता है। वर्तमान समय में जब विश्व तीव्र तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, तब विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार किसी भी राज्य एवं राष्ट्र के सतत एवं समावेशी विकास की आधारशिला हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संचार प्रौद्योगिकी (IT), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), स्मार्ट सिस्टम्स, साइबर-फिजिकल सिस्टम्स तथा उभरती डिजिटल तकनीक वर्तमान की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा भी तय करती हैं। ये तकनीकें उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, स्मार्ट गवर्नेंस और सामाजिक विकास को नई दिशा प्रदान कर रही हैं।

विश्वविद्यालय की भूमिका डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं, बल्कि विचार, चरित्र और चेतना का केंद्र - राज्यपाल

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में 10 वें दीक्षांत समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भूदान आंदोलन के प्रणेता राष्ट्रसंत विनोबा भावे की प्रतिमा पर कुलाधिपति द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे विचार, चरित्र और चेतना के केंद्र होते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों से यह अपेक्षा है कि वे शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध, नवाचार एवं सामाजिक सरोकारों की दिशा में अपने प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत–2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए प्रत्येक विद्यार्थी की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने छात्रों से ईमानदारी, परिश्रम और नैतिकता को जीवन का मार्गदर्शक बनाने की अपील की तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक आशा और विश्वास पहुंचाने का आह्वान किया। कुलाधिपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका अर्जित करना नहीं है, बल्कि एक संवेदनशील, जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक का निर्माण करना है। आज देश ऐसे युवाओं की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है, जो चुनौतियों से घबराते नहीं, बल्कि उन्हें अवसर में बदल देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अब तक अर्जित ज्ञान को समाज के व्यापक हित में प्रयोग करने की अपील की। इस अवसर पर कुलाधिपति द्वारा 295 पीएचडी धारकों, 99 स्नातकोत्तर टॉपरों सहित वर्ष 2022 से 2025 के स्नातक एवं विभिन्न व्यावसायिक विषयों के 431 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं उपाधियां प्रदान की गईं। दीक्षांत समारोह के दौरान कुलाधिपति ने करीब दो घंटे तक विश्वविद्यालय परिसर में रुककर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा की अभूतपूर्व व्यवस्था की गई थी। इसके अतिरिक्त विवेकानंद सभागार में आयोजित मुख्य दीक्षांत समारोह में एक डी-लिट, विभिन्न विषयों में 230 पीएचडी, 94 स्नातकोत्तर टॉपर, एक बेस्ट ग्रेजुएट तथा 21 वोकेशनल टॉपरों को उपाधियां प्रदान की गईं। इस प्रकार कुल 347 उपाधियां वितरित की गईं। सभी टॉपरों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह में यह भी उल्लेखनीय रहा कि यूजी एवं पीजी टॉपरों में लगभग 75 प्रतिशत की भागीदारी छात्राओं की रही। इनमें 54 प्रदीप सिंह सिंह भी शामिल हैं, जिन्होंने स्नातकोत्तर योग विषय में स्वर्ण पदक प्राप्त कर सभी के लिए प्रेरणास्रोत बनीं। दीक्षांत समारोह को लेकर छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह देखा गया। सैकड़ों छात्र-छात्राएं अपने अभिभावकों के साथ विश्वविद्यालय परिसर में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. चंद्रभूषण शर्मा ने की। अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि छात्र जीवन में दीक्षांत समारोह का विशेष महत्व होता है। यह न केवल एक महत्वपूर्ण अध्याय की पूर्णता है, बल्कि जीवन के नए अध्याय की शुरुआत का अवसर भी है। उन्होंने छात्रों से देश के प्रति सजग रहकर सेवा करने, देशहित में अपना कर्तव्य निभाने और जीवन को सरल एवं अनुशासित रखने की अपील की। कुलपति डॉ. चंद्रभूषण शर्मा ने कुलाधिपति के समक्ष विश्वविद्यालय की समस्याओं की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मियों की घोर कमी है। तृतीय वर्ग के 506 सृजित पदों के विरुद्ध मात्र 110 कर्मी तथा चतुर्थ वर्ग के 387 सृजित पदों के विरुद्ध केवल 110 कर्मी ही कार्यरत हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में चल रहे विकास कार्यों, शिक्षण व्यवस्था तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन की स्थिति से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रभारी कुलसचिव द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह पूरे उत्साह, अनुशासन और प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ।

रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में एनएमओ की ओर से झारखंड एनएमओकॉन 2025 आयोजित

झारखंड में भी खुले सीएमसी वेल्लोर जैसा अस्पताल : गवर्नर

रांची, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि सीएमसी वेल्लोर जैसे अस्पताल ने बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से न केवल चिकित्सा सेवा में विशिष्ट स्थान अर्जित किया है, बल्कि यहां की अर्थव्यवस्था को भी गति प्रदान की है। झारखंड से भी बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए वेल्लोर जाते हैं। झारखंड में भी इस प्रकार की संस्थाएं स्थापित हो सकती हैं, जो सेवा के साथ-साथ राज्य की समग्र प्रगति का आधार बनें।

राज्यपाल रविवार को रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ) की ओर से आयोजित 'झारखंड एनएमओकॉन 2025' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा हमें आत्मचिंतन करना होगा कि जब हमारे पास पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं हैं, तो लोग इलाज के लिए राज्य से बाहर क्यों जाते हैं? यदि उच्चस्तरीय उपचार यहीं हमारे राज्य में उपलब्ध हो तो लोग अपने राज्य में ही इलाज कराना पसंद करेंगे। जब सरकारी में पढ़ता हूं कि रिम्स जैसे सबसे बड़े अस्पताल में मरीजों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलतीं, तो बहुत दुःख होता है। इस स्थिति में सुधार लाने की आवश्यकता है। निजी अस्पतालों में भी उपचार व्यवस्था और अधिक प्रभावी व लोकोन्मुख सुलभ होनी चाहिए। हमें मिलकर प्रयास करना होगा कि झारखंड में उच्चस्तरीय अस्पताल और संस्थान स्थापित हों, ताकि यहां की जनता को राज्य से बाहर न जाना पड़े। चिकित्सा व्यवसाय को सेवा का प्रतीक माना जाता है। मरीज और उनके परिजन डॉक्टरों में आशा की किरण देखते हैं। इसी कारण चिकित्सक को ईश्वर का दूसरा रूप कहा गया है।

रिम्स में आयोजित कार्यक्रम को रविवार को संबोधित करते राज्यपाल संतोष गंगवार।

हर व्यक्ति तक हेल्थ कार्ड पहुंचाने की जरूरत

राज्यपाल ने सम्मेलन के विषय 'समान स्वास्थ्य सेवा के लिए स्वास्थ्य और स्वयं' [illegible] उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कार्य करते हुए हर व्यक्ति तक हेल्थ कार्ड पहुंचाना चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति केवल इलाज से वंचित न रहे। राज्य के सुदूरवर्ती ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

राज्यपाल ने सभी सरकारी विवि को 31 तक डिजिटलाइज्ड करने का दिया निर्देश

[illegible]

लीव मैनेजमेंट

[illegible]

सम्मान. बिरसा कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह, राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा

15 में 14 बेटियों को गोल्ड मेडल मिलना बदलते भारत की तस्वीर

14 छात्राओं व एक छात्र को मिला गोल्ड मेडल, 1021 को डिग्री

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

विकसित भारत का सपना साकार करने में सकारात्मक भूमिका निभाएं युवा : राज्यपाल

एसकेएमयू के नौवें दीक्षांत समारोह में 115 छात्र-छात्राओं को प्रदान की गई उपाधि

जेवीएम में विद्यार्थियों ने भगवान कृष्ण पर प्रस्तुत किया नाटक

विद्यार्थी खुद पर भरोसा रखें, मेहनत करें और मुस्कुराते रहें : राज्यपाल

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार बोले

आत्मनिर्भर भारत निर्माण में योगदान दें युवा: गवर्नर

दीक्षांत समारोह

हजारीबाग, हिटी। झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि देश युवाओं की ओर आशाभरी दृष्टि से देख रहा है। युवा चुनौतियों से घबराएं नहीं, बल्कि उन्हें अवसर में बदलें। विकसित भारत 2047 तथा आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत के निर्माण में ईमानदारी, परिश्रम और नैतिकता के साथ योगदान दें। वे मंगलवार को हजारीबाग स्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

विभावि के विवेकानंद सभागार में आयोजित समारोह में उपाधियों का वितरण करते हुए राज्यपाल ने विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्रदान करने का औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन, धैर्य और निरंतर साधना का प्रतीक है। यह जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय की पूर्णता के साथ नए अध्याय की शुरुआत भी है।

हजारीबाग के विनोबा भावे विश्वविद्यालय में मंगलवार को 10 दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थी को उपाधि प्रदान करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार।

राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका अर्जित करना नहीं, बल्कि संवेदनशील, जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक का निर्माण करना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पहचान डिग्री से नहीं, बल्कि कर्मों से बनती है। सफलता और असफलता दोनों जीवन के स्वाभाविक पक्ष हैं, लेकिन असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ने वाला व्यक्ति ही स्थायी सफलता प्राप्त करता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक शिक्षित युवा यदि समाज के कम से कम एक बच्चे की शिक्षा की जिम्मेदारी ले, तो शिक्षा प्रसार स्वतः सशक्त होगा। उन्होंने विश्वविद्यालयों को केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं, बल्कि विचार, चरित्र और चेतना के केंद्र बताया।

विभावि के 117 टॉपरों को राज्यपाल ने दी उपाधि

कार्यक्रम में एक डिलीट समेत जनवरी 2020 - 22 से 2023- अक्टूबर 2025 तक के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। 2020-22, 2022-23, 2023-2025 के मानविकी, सामाजिकी विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, एजुकेशन व मेडिसिन संकाय के कुल 117 टॉपरों समेत 347 विद्यार्थियों को मंच पर उपाधि प्रदान की। जिसमें एमटेक ,एमडीएस व एमएड, एमबीए, बीएचएमएस, बीडीएस, बीपीटी, एलएलएम, एलएलबी बीएड और बीएड इंटीग्रेटेड के टॉपर समेत पास आउट विद्यार्थी शामिल हैं। दीक्षांत समारोह का सारे कार्यक्रमों का लाइव टेलीकास्ट किया गया । मल्टीपरपस परीक्षा भवन में अभिभावकों व अन्य लोगों के लिए लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था की गयी थी। जिसमें सैकड़ों लोगों ने उपाधि वितरण करते देखा और कुलाधिपति का भाषण सुना।

स्थापना दिवस | लोकभवन में आयोजित नागालैंड और असम के स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार हुए शामिल

पूर्वोत्तर भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक वैभव का स्रोत: गवर्नर

रांची, हिन्दुस्तान ब्यूरो। लोकभवन, झारखंड में शुक्रवार को संयुक्त रूप से नागालैंड एवं असम का स्थापना दिवस मनाया गया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि नागालैंड का स्थापना दिवस 1 दिसंबर तथा असम का स्थापना दिवस 2 दिसंबर को था। राज्य से बाहर रहने के कारण इन तिथियों पर कार्यक्रम आयोजित नहीं हो सका।

झारखंड में निवासरत नागालैंड और असम के नागरिकों से कहा कि आप सभी अपने कठिन परिश्रम, समर्पण और प्रतिभा से झारखंड के विकास में निरंतर योगदान दे रहे हैं। सांस्कृतिक संस्थानों, जैव-विविधता, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प, संगीत-नृत्य और पर्यटन की अपार संभावनाओं के साथ पूर्वोत्तर भारत हमारे राष्ट्र की ऊर्जा, सामर्थ्य और सांस्कृतिक वैभव के अमूल्य स्रोत हैं। यहां के लोग अपनी मेहनत, आत्म-सम्मान, देशभक्ति और सामाजिक सद्भाव के लिए जाने जाते हैं। पूर्वोत्तर भारत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन राज्यों ने देश के विकास, सुरक्षा, सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यावरणीय संतुलन में विशिष्ट तथा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह क्षेत्र भारत का सामरिक रूप से महत्वपूर्ण द्वार है, जहां विविध जनजातियां, भाषाएं और परंपराएं मिलकर एक सुंदर सांस्कृतिक इंद्रधनुष निर्मित करती हैं।

लोक भवन में आयोजित समारोह का उद्घाटन करते राज्यपाल व अन्य।

दोनों राज्यों की विशिष्ट पहचान

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. निशित मदन मुखर्जी ने दोनों राज्यों के लोगों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि दोनों राज्यों की अपनी अलग-अलग विशिष्टता है। उन्होंने असम के सुप्रसिद्ध गायक भूपेन हजारिका एवं ज़ुबिन गर्ग का संगीत जगत में अमूल्य योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनके कार्यों ने भारतीय संगीत को नई दिशा और ऊंचाई प्रदान की है। नागालैंड का हॉर्नबिल महोत्सव भारत के सबसे आकर्षक और समृद्ध सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है, जो न केवल राज्य की लोक कला और परंपरा को प्रदर्शित करता है, बल्कि पूरे विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है।

असम: नीली पहाड़ियों की भूमि

गवर्नर ने कहा कि असम, जिसे लाल नदी और नीली पहाड़ियों की भूमि कहा जाता है, अपनी विविध जनजातियों, लोककला, संगीत, साहित्य और वैभवशाली इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। इसकी सुंदर भौगोलिक संरचना मन मोह लेती है। यहां स्थित विश्वप्रसिद्ध 'कामाख्या मंदिर' देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है।

नागालैंड: त्योहारों की भूमि

गवर्नर ने कहा कि नागालैंड, जिसे 'त्योहारों की भूमि' कहा जाता है, अपनी पारंपरिक लोककथाओं, संगीत परंपराओं, हस्तशिल्प और वीरता की सशक्त परंपरा के लिए जाना जाता है। नागालैंड का प्रसिद्ध हॉर्नबिल महोत्सव न केवल वहां की सांस्कृतिक विविधता का उत्सव है, बल्कि यह भारत को समृद्ध करने वाली बहुरंगी सांस्कृतिक धारा का एक उज्ज्वल प्रतीक भी है।

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उलिहातू पहुंचे राज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री

बिरसा मुंडा के गांव का संपूर्ण विकास होना चाहिए : गवर्नर

श्रद्धांजलि दी

लोकमत, रांची/खूंटी

[illegible]

बिरसा ओड़ा में प्रतिमा पर किया माल्यार्पण : [illegible]

राज्यपाल बोले- उलिहातू में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी जैसी पहल की जा सकती है

उलिहातू में बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर राज्यपाल संतोष गंगवार, सीएम हेमंत सोरेन व केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने किया माल्यार्पण.

झारखंड वीरों की धरती है, इसे संवारना हम सब की जिम्मेदारी : हेमंत सोरेन

[illegible]

सरकार ने किया उलिहातू का विकास : जुएल ओराम

[illegible]

बिरसा ओड़ा का होगा सौंदर्यीकरण [illegible]

बिरसा चौक स्थित प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रांची. राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व विधायक कल्पना सोरेन ने शनिवार को बिरसा मुंडा की जयंती पर रांची के बिरसा चौक स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया [illegible]

समाधि स्थल पर गवर्नर व सीएम ने दी श्रद्धांजलि

रांची. धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर शनिवार को [illegible]

स्पीकर ने भगवान बिरसा को किया नमन

रांची. स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने शनिवार को झारखंड विधानसभा परिसर में स्थित भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. [illegible]

राज्यपाल ने सैनिक कल्याण निदेशालय प्रबंध समिति की बैठक की

अग्निवीरों को राज्य पुलिस में मौका दें : राज्यपाल

विशेष संवाददाता, रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शहर के दीपाटोली स्थित झारखंड युद्ध स्मारक को प्रमुख पर्यटन स्थल बनाने का निर्देश दिया है. परमवीर अलबर्ट एक्का के पैतृक ग्राम को भी आदर्श ग्राम बनाने को कहा. वहीं जनजातीय युवाओं के लिए समर्पित प्रशिक्षण केंद्र खोलने का भी निर्देश दिया, जिससे कि उन्हें सैन्य सेवाओं में बेहतर मौके मिल सकें. ये सभी निर्देश राज्यपाल श्री गंगवार ने मंगलवार को लोक भवन में हुई सैनिक कल्याण निदेशालय की 17वीं प्रबंध कमेटी की बैठक में दिये.

राज्यपाल के निर्देश

- गोड्डा में खोला जायेगा सैनिक विद्यालय, दीपाटोली युद्ध स्मारक को पर्यटन स्थल बनायें
- सैन्य सेवा में जाने के लिए जनजातीय युवाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोला जाये

सैनिक कल्याण निदेशालय की बैठक में राज्यपाल व अन्य.

शहीदों के आश्रितों की सहायता राशि बढ़ाने पर जोर

मौके पर शहीदों के आश्रितों की सहायता राशि में वृद्धि करने पर भी चर्चा की गयी. निदेशालय द्वारा बताया गया कि सैनिक मार्केट का निर्माण लगभग पूर्ण हुआ था तथा यह सैनिक विश्राम भी निर्मित है. इन परिसरों के पुनर्निर्माण एवं विकास के लिए [illegible] के सहयोग से कार्य कराया जा रहा है. मौके पर राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी, गृह विभाग की अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल, वित्त सचिव प्रशांत कुमार, जीओसी 23 इन्फैंट्री डिवीजन के मेजर जनरल [illegible] सहित अन्य उपस्थित थे.

बैठक में राज्य में एक और सैनिक विद्यालय खोलने निर्णय लिया गया. इस पर सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा गोड्डा में सैनिक विद्यालय खोलने का प्रस्ताव रखा गया. मौके पर राज्यपाल ने कहा कि राज्य में लौट कर आये अग्निवीरों का समुचित आकलन करें. साथ ही उनको राज्य पुलिस बल सहित अन्य सुरक्षा एवं सेवा क्षेत्रों में अवसर देने की संभावनाओं पर विचार करें. राज्यपाल ने यह भी निर्देश दिया कि जब सैनिक अवकाश पर राज्य में आते हैं और उनके कुछ निजी अथवा प्रशासनिक कार्य लंबित रहते हैं, तो ऐसे मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाये.

मारवाड़ी भवन में तीन दिवसीय मारवाड़ महोत्सव शुरू, प्रस्तुति के लिए 40 कलाकारों की टीम रांची पहुंची

देश के विकास में मारवाड़ी समाज का योगदान गौरवशाली : गवर्नर

- 'चोखी धानी' की तर्ज पर बना फूड स्टॉल मुख्य आकर्षण का केंद्र
- राज्यपाल ने भागचंद पोद्दार के परिजनों को स्मृति चिह्न भेंट कर किया सम्मानित

रांची, वरीय संवाददाता। हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में शुक्रवार को तीन दिवसीय मारवाड़ महोत्सव का शुभारंभ हुआ। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महोत्सव का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका एवं राष्ट्रीय महामंत्री केदारनाथ गुप्ता उपस्थित थे।

उद्घाटन संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि मारवाड़ी समाज का योगदान झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायक और गौरवशाली रहा है। उन्होंने कहा, यह समाज जहां भी रहा, वहां की स्थानीय संस्कृति में रच-बस कर अपनी विरासत को सहेजे रखा। व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन जैसे हर क्षेत्र में इस समाज ने अग्रणी भूमिका निभाई है। राज्यपाल ने समाज की सेवा भावना को प्रधानमंत्री के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन को मजबूती देने वाला बताया। मौके पर कई लोग उपस्थित थे।

मारवाड़ी भवन में शुक्रवार को मारवाड़ महोत्सव का उद्घाटन करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य। • हिन्दुस्तान

स्व. भागचंद पोद्दार को 'झारखंड समाज रत्न'

इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी स्वर्गीय भागचंद पोद्दार को उनके उल्लेखनीय सामाजिक कार्यों के लिए मरणोपरांत 'झारखंड समाज रत्न' से सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने उनके परिजनों को शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर यह सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद अग्रवाल, मुख्य संयोजक अरुण भरतिया और प्रवक्ता संजय सर्राफ ने महोत्सव की विस्तृत जानकारी दी। मौके पर पूर्व सांसद महेश पोद्दार, अरुण भरत, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया सहित राज्यभर से आए मारवाड़ी समाज के सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राजस्थान की जीवंत संस्कृति का संगम

महोत्सव के लिए राजस्थान से 40 कलाकारों की टीम रांची पहुंची है। तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में लोकगीत, घूमर नृत्य, कालबेलिया, कठपुतली शो और पारंपरिक हास्य कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। 'चोखी धानी' के तर्ज पर बना फूड स्टॉल मुख्य आकर्षण है, जहां लोग 30 से अधिक राजस्थानी व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। इसके अलावा मेहंदी, पगड़ी बांधने की कला (पगड़ी से पेच) और पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता (कुण है फूटरी) जैसे कार्यक्रम राजस्थान की मिट्टी की महक बिखेर रहे हैं।

मारवाड़ी भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में शामिल कलाकार व अन्य।

77वें गणतंत्र दिवस के मुख्य राजकीय समारोह में राज्यपाल ने किया झंडोत्तोलन, विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय पर दिया जोर

झारखंड प्रगति की ओर, शिबू सोरेन को पद्म भूषण राज्य के लिए गौरव : गंगवार

[illegible] | रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि झारखंड हर क्षेत्र में प्रगति की ओर अग्रसर है. उन्होंने विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय पर जोर दिया. राज्यपाल सोमवार को राजधानी के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित मुख्य राजकीय समारोह में झंडोत्तोलन के बाद राज्यवासियों को संबोधित कर रहे थे. परेड निरीक्षण के बाद अपने संबोधन में राज्यपाल गंगवार ने केंद्र सरकार द्वारा दिशोम गुरु शिबू सोरेन को पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने पर खुशी जाहिर की. कहा कि झारखंड राज्य के जननायक दिशोम गुरु को पद्म भूषण पुरस्कार से अलंकृत किया जाना, उनके अद्वितीय योगदान का सम्मान है. यह संपूर्ण राज्य के लिए गौरव का विषय है. इस अवसर पर राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए किए जा रहे कार्यों की चर्चा की।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य में लागू हुई पेसा नियमावली जनजातियों के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। मंईयां सम्मान योजना की चर्चा करते हुए कहा कि यह महिलाओं, बहनों, बेटियों के सम्मान, स्वाभिमान, स्वावलंबन और सुरक्षा के लिए सरकार का प्रभावी कदम है।

राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध

राज्यपाल ने अपने संबोधन में संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों, राज्य के समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की बात कही। कहा, राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की चर्चा की। कहा कि सरकार की प्राथमिकता गरीबों, महिलाओं, आदिवासियों, दलितों और वंचित वर्गों का सशक्तिकरण है। युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है।

आत्मनिर्भर झारखंड का लक्ष्य साकार करें

राज्यपाल ने आत्मनिर्भर झारखंड के लक्ष्य को साकार करने के लिए सभी वर्गों से सहयोग की अपील की। कहा कि संविधान के आदर्शों को व्यवहार में उतार कर ही एक मजबूत और समृद्ध झारखंड का निर्माण कर सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि जवाबदेह शासन व्यवस्था से ही लोकतंत्र मजबूत होगा।

महान वीरों और नायकों को किया नमन

राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पं. जवाहरलाल नेहरू, डॉ. भीमराव अंबेडकर और सरदार वल्लभ भाई पटेल को नमन किया। झारखंड के वीरों भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, नीलांबर-पीतांबर, शेख भिखारी और शहीद विश्वनाथ शाहदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की आत्मा कृषि में : संतोष गंगवार

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के 40 वें स्थापना दिवस समारोह पर ... [illegible]

[illegible]

झारखंड के राज्यपाल के रूप में संतोष गंगवार के एक वर्ष पूरे

राज्य ब्यूरो, जागरण, रांची : संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड के राज्यपाल के रूप में एक वर्ष पूरे कर लिए। ... [illegible]

- राज्यपाल संतोष गंगवार के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा
- विश्वविद्यालयों में विशेष अनुशासन के प्रयास

[illegible]

सशक्त, समृद्ध और विकसित झारखंड का लें संकल्प : राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, जागरण, रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड राज्य की रजत जयंती के अवसर पर नागरिकों से सशक्त, समृद्ध और विकसित झारखंड बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। शनिवार को मोरहाबादी मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यपाल ने कहा कि राज्य के समक्ष शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन जैसी चुनौतियां अवश्य हैं, लेकिन जन सहयोग, सुशासन और दूरदर्शी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से इन चुनौतियों का समाधान पूरी तरह संभव है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बीते 25 वर्षों में झारखंड ने शिक्षा, कृषि, खनन, ऊर्जा, खेल और संस्कृति सहित अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है।

उन्होंने धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक स्थलों के योजनाबद्ध विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि व्यापक स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि झारखंड का 25 वर्ष पूरा होना राज्यवासियों के लिए आत्म गौरव, आत्मचिंतन और आत्म संकल्प का क्षण है। इस राज्य की नींव जन-आकांक्षाओं, संघर्षों और बलिदानों की भूमि पर रखी गई है। राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, फूलो-झानो समेत सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान ने इस पावन धरती को गौरवान्वित और अधिक समृद्ध किया है। उन्होंने झारखंड राज्य के गठन में योगदान के लिए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनकी दूरदृष्टि और संकल्प के कारण ही इस राज्य का गठन संभव हो सका। यह दिन इसलिए भी विशेष महत्व रखता है, क्योंकि आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है और पूरा देश धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के असाधारण योगदान को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा। झारखंड राज्य अलग की मांग, तब वह केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य थे और लोकसभा सदस्य के रूप में राज्य के गठन के पक्ष में मतदान कर अहम योगदान दिया था।

झारखंड की 25वीं वर्षगांठ पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

प्रदर्शनी का हुआ अनावरण, हेलीकाप्टर से हुई पुष्पवर्षा

राज्य ब्यूरो, जागरण, रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने समारोह स्थल परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अनावरण किया। यह प्रदर्शनी झारखंड राज्य के 25 वर्षों के सफर, भगवान बिरसा मुंडा समेत सभी अमर वीर शहीदों तथा दिशोम गुरु स्मृति शेष शिबू सोरेन की गाथा का अवलोकन किया। उपायुक्त पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया। समारोह में हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा की गई।

स्थापना दिवस समारोह स्थल पर पुष्प वर्षा करता हेलीकाप्टर • जागरण

मोरहाबादी मैदान में सीएम हेमंत के साथ सेल्फी लेतीं विधायक कल्पना सोरेन • जागरण

दिशोम गुरु की प्रतिमा के साथ कल्पना सोरेन ने किया भावुक पोस्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण, रांची : झारखंड राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित भव्य समारोह के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने एक भावनात्मक संदेश साझा किया। उन्होंने अपने इंटरनेट मीडिया पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज का उत्सव भले ही भव्य था, पर बाबा की अनुपस्थिति ने मन को बार-बार छुआ। राज्य स्थापना दिवस समारोह में गुरुजी की प्रतिमा विशेष रूप से स्थापित की गई थी, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि दी। कल्पना सोरेन ने इस अवसर पर झारखंड की संघर्षशील विरासत, गौरव और सांस्कृतिक पहचान को नमन किया।

50 बेड के पांच अस्पताल का हुआ उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, जागरण, रांची : पांच जिलों में पांच अस्पताल (प्रीफैब) का उद्घाटन किया गया। इनमें धनबाद के तोपचांची, गोड्डा के बोआरीजोर, सिमडेगा के ठेठईटांगर, पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर तथा साहेबगंज के बरहरवा में 50 बेड के प्रीफैब फील्ड हास्पिटल सम्मिलित हैं।

योजनाओं का हुआ शिलान्यास

- कोडरमा में 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लाक का निर्माण : 23.75 करोड़
- धनबाद सदर अस्पताल का नवीनीकरण और पुनर्विकास : 14.48 करोड़
- गुमला में जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र का निर्माण : 3.39 करोड़
- हजारीबाग में शेख भिखारी मेडिकल कालेज में 50 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण : 23.75 करोड़
- हजारीबाग में फार्मेसी संस्थान का निर्माण : 24.96 करोड़

इन योजनाओं का हुआ उद्घाटन

- डोमचांच में 50 बेड का अस्पताल : 23.75 करोड़
- पूर्वी सिंहभूम के पोटका में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र : 11.00 करोड़।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्थापित प्रतिमा को प्रणाम करते मुख्यमंत्री।

राज्य की उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सुधार पर राज्यपाल ने दिया जोर

राज्यपाल ने कहा–सुरक्षा बलों के अद्वितीय योगदान राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता

आज सबसे बड़ी चुनौती संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की है : राज्यपाल

रांची युनिवर्सिटी के आर्यभट्ट सभागार में सम्मेलन आयोजित

स्वदेशी मैराथन . रांची के युवाओं ने आत्मनिर्भर भारत के लिए लगायी दौड़

देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए स्वदेशी अपनाना होगा : राज्यपाल

दुश्मनों का मुकाबला करना है, तो फिट रहना होगा : कर्नल वायर

आज के युवा ही भारत की रीढ़ हैं : संजय सेठ

सेना हमारे सपनों और भविष्य की करती है सुरक्षा : राज्यपाल

राजभवन के बिरसा मंडप में ऑपरेशन सिंदूर थीम पर विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन

संवाद कार्यक्रम में शामिल राज्यपाल, सीडीएस और रक्षा राज्य मंत्री.

भारतीय फौज का हिस्सा बनें विद्यार्थी : संजय सेठ

राज्यपाल ने दी नगर निकाय चुनाव कराने की स्वीकृति

27 जनवरी को हो सकती है निकाय चुनाव की अधिसूचना घोषणा जल्दी ही

ranchi@inext.co.in

RANCHI(12 Jan):

निकाय चुनाव को लेकर आयोग की तैयारी

भेजा गया था प्रस्ताव

नामांकन की अवधि

अगर समर्पण से कार्य किया जाए तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं : राज्यपाल

सरला बिरला पब्लिक स्कूल और सरला बिरला यूनिवर्सिटी परिसर में स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 की तीन दिवसीय प्रदर्शनी शुरू

राज्य संग्रहालय में सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम

जनजातीय परंपराएं हमारी धरोहर:गवर्नर

विधायक यह सुनिश्चित करें कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे: राज्यपाल

Guv asks students to dream big, work hard to bring glory to nation

Governor Santosh Kumar Gangwar attends DPS Ranchi Annual Function

Governor Santosh Kumar Gangwar, Deputy Chairman Rajya Sabha Harivansh Narayan Singh during the Annual Day function of Delhi Public School in Ranchi on Thursday. PNS

युवा केवल भविष्य का कर्णधार ही नहीं बल्कि वर्तमान का सशक्त आधार भी : राज्यपाल

बीबीएमकेयू का दूसरा दीक्षांत समारोह : कुलाधिपति ने राज्य में उच्च शिक्षा की स्थिति पर जताई चिंता

नया युग डिग्री के साथ एक्सीलेंस का : राज्यपाल

शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तिगत उन्नति नहीं, सामाजिक दायित्व का भी है

राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस पर डोरंडा कॉलेज में कार्यक्रम

सभ्यता, संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक है हस्तकरघा : गवर्नर

चिकित्सा सेवा संवेदना व विनम्रता का क्षेत्र : राज्यपाल

देवघर एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल व स्वास्थ्य मंत्री

राज्य में छह मेडिकल कॉलेज व एक मेडिको सिटी बनाने की है योजना : डॉ इरफान

लोकभवन का द्वार राज्य के हर नागरिक के लिए सदैव खुला है : राज्यपाल

धनबाद के स्वस्थ्य सरस्वती विद्या मंदिर रतनपुर में तीन दिवसीय खेलकूद का समापन

भारत नई खेल नीति से बनेगा सुपरपावर : गवर्नर

केरल फेस्ट विविधता में एकता की भावना का सजीव उदाहरण

बिरसा मुंडा के गांव का संपूर्ण विकास होना चाहिए : गवर्नर

'प्रेम, शांति व मानवता का संदेश देता है क्रिसमस'

Tusu is expression of close relationship between humans and nature: Governor

युवाओं की एकजुटता, संकल्प पर टिका है विकसित भारत : गवर्नर

यूनिटी मार्च

स्वैच्छिक रक्तदान जन आंदोलन बने : राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, जागरण, रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने युवाओं से रक्तदान करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा वर्ष में तीन बार रक्तदान करें तो राज्य में रक्त की कमी नहीं होगी। राज्यपाल ने सोमवार को लोकभवन में आयोजित रक्तदान शिविर के उद्घाटन के अवसर पर रक्तदान को सर्वोच्च मानवीय एवं पुनीत कार्य बताते हुए कहा कि समय पर रक्त उपलब्ध न होने के कारण अनेक बार बहुमूल्य जीवन संकट में पड़ जाता है।

- राष्ट्रीय युवा दिवस पर लोकभवन में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर
- राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव सहित 406 लोगों ने किया रक्तदान

लोकभवन में आयोजित रक्तदान शिविर में उपस्थित राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार।

ऐसे में रक्तदान जैसे सेवा कार्य को जन आंदोलन का रूप देना अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय युवा ... किया। राज्यपाल ने कहा कि रेड क्रास सोसाइटी को सक्रिय एवं प्रभावी स्वरूप प्रदान करने की दिशा ... प्रयास किए गए हैं। कहा ... राज्य के विश्वविद्यालयों ... कालेजों में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डा. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि राज्य में अधिक से अधिक रक्तदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह 'रक्तदान शिविर' आयोजित है।

महादान : लोक भवन में आयोजित शिविर में 406 लोगों ने किया रक्तदान

रक्तदान को जन-आंदोलन का रूप देना आवश्यक : राज्यपाल

विश्वविद्यालयों-कॉलेजों में भी रक्तदान शिविर जल्द

Mega Blood Donation Camp organised at Lok Bhawan

स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत : राज्यपाल

लोक भवन में लगा रक्तदान शिविर, 406 लोगों ने किया रक्तदान, राज्यपाल बोले

राज्य के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी लगेगा रक्तदान शिविर